डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | 197 | पेज: 8 | जयपुर,गुरुवार, 26 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

## यात्रीगण कृपया ध्यान दें..बढ़ने वाला है रेल किराया

● 1 जुलाई से महंगा हो जाएगा सफर ● एसी में 1000 किमी के सफर पर 20 रुपए ज्यादा लगेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रेल का सफर 1 जुलाई से महंगा हो सकता है। नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर और एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी गई है। सभी बदलाव 1 जुलाई से लागू होंगे। इस तारीख के बाद का टिकट बुक करने पर नई दरों से किराया चुकाना होगा। रेलवे ने आखिरी बार 2020 में यात्री किराया बढ़ाया था। कई सालों से रेलवे ने टिकट की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया था। रेलवे के सामने बढ़ते खर्चे और मेंटेनेंस की लागत को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। हालांकि, ये बढ़ोतरी बहुत मामूली है, ताकि आम यात्रियों पर ज्यादा बोझ न पड़े। रेल मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों से पता चला है कि साधारण मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। वहीं, एसी क्लास में सफर करने वालों को 2 पैसे प्रति किलोमीटर ज्यादा देने होंगे। ये बढ़ोतरी मामूली है, लेकिन इसका असर जरूर पड़ेगा। रेलवे ने पहले ही बदलाव के संकेत दिए थे।

### तत्काल टिकट के लिए आधार होगा जरूरी

रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया है। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। यानी आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आपका आधार कार्ड लिंक होना चाहिए। साथ ही, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के दौरान आधार-बेस्ड ओटीपी वेरिफिकेशन भी करना होगा। इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि तत्काल टिकट सही यात्रियों को मिले।

## नीतिश सरकार गिराने की थी साजिश, शुरू हुई पूछताछ

**पटना (एजेंसी)।** नीतिश कुमार की अगुआई वाली एनडीए सरकार को बीते साल गिराने की साजिश रची गई थी। इसको लेकर विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दिन (12 फरवरी 2024) को चुना गया था। ताकि सरकार अपना विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए। यह बात आर्थिक अपराध इकाई की जांच में सामने आई थी। अब विधायकों के खरीद-फरोख्त के मामले में ठेकेदार और

इंजीनियर सुनील सिंह से ईओयू की टीम पूछताछ कर रही है। मंगलवार को सुनील पटना स्थित आर्थिक अपराध इकाई के ऑफिस पहुंचे। सुबह 11 बजे से ईओयू की एक टीम ने उनसे पूछताछ शुरू की, जो अब तक जारी है और अगले कुछ घंटों चलेगी। इस मामले में शनिवार को ही ईओयू की तरफ से एक नोटिस सुनील सिंह को भेजा गया था। ठेकेदार और इंजीनियर सुनील का कनेक्शन राष्ट्रीय जनता दल से है।

## एनएसए डोभाल की चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात

**बीजिंग (एजेंसी)।** राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सोमवार को बीजिंग में चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन के सुरक्षा सलाहकारों की 20वीं बैठक के मौके पर हुई। इस दौरान डोभाल ने साफ तौर पर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आतंकवाद के हर रूप का मिलकर मुकाबला करना जरूरी है। भारत के विदेश

मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों देशों ने आपसी रिश्तों की हालिया प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी डोभाल और वांग ने बीजिंग में बैठक की थी, जहां कैलाश मानसरोवर यात्रा, ट्रांस-बॉर्डर नदी सहयोग और नाथुला ट्रेड जैसे मुद्दों पर 6 सहमतियों पर फैसला हुआ था। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

## बम ब्लास्ट की धमकियां देने वाली लड़की चेन्नई से अरेस्ट

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** देश भर में कई जगह बम धमाकों की धमकियां देने वाली महिला को चेन्नई से अरेस्ट कर लिया गया है। अहमदाबाद पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने बताया कि महिला ने अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के 12 राज्यों में बम की धमकी वाले ईमेल भेजे थे। इनमें

गुजरात के अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल है। प्रेमी को फंसाने के लिए रची थी साजिश चेन्नई की रहने वाली रेनी जोशील्डा रोबोटिक्स में ग्रेजुएट है और डेलॉयट में सीनियर कंसल्टेंट के तौर पर काम करती है। रेनी अपने ऑफिस के युवक से एकतरफा प्रेम करती थी लेकिन, वह युवक किसी और लड़की से प्रेम करता था। इसी साल युवक ने उस लड़की से शादी कर ली।

## नए हथियारों से और ताकतवर हो जाएगी अपनी भारतीय सेना

● रॉकेट, मिसाइल, बम और टॉरपीडो...सभी खरीदने का ऑफर ● डीआरडीओ ने 28 नए हथियारों की खरीद का दिया प्रस्ताव

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इजरायल-ईरान और रूस और यूक्रेन समेत दुनिया के कई देशों में जंग जैसे हालात हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय सेना को और पॉवरफुल बनाने की कोशिशें जारी हैं। इसी बीच रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने हाल ही में तीनों सेनाओं को 28 हथियार सिस्टम देने की पेशकश की है। ये हथियार इमरजेंसी खरीद के लिए हैं। केंद्र सरकार ने सेनाओं को ये अधिकार दिया है कि वे आपातकालीन स्थिति में नए हथियार खरीद सकते हैं। डीआरडीओ ने रक्षा मंत्रालय को इस संबंध में एक लिस्ट सौंपी है। डीआरडीओ की लिस्ट में रॉकेट, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल, लेजर-टारगेट बम, टारपीडो शामिल हैं। इसके अलावा एयर डिफेंस मिसाइल और एंटी-टैंक मिसाइल भी मौजूद हैं। हेलीकॉप्टर से लॉन्च की जाने वाली और जमीन से लॉन्च की जाने वाली नाग मिसाइलें, रुद्रम एंटी-रेडिएशन मिसाइलें, नौसेना एंटी-शिप मिसाइलें और ग्रेनेड भी इस लिस्ट में हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ ने मॉडर्न हथियार सिस्टम की लिस्ट के साथ प्रोडक्शन एजेंसी के नाम भी दिए हैं जो इन हथियारों को बनाते हैं। साथ ही, यह भी बताया गया है कि सेनाएं अगले छह महीने से एक साल में कितने हथियार खरीद सकती हैं। सेनाएं इन एजेंसियों से हथियार खरीद सकती हैं। उदाहरण के लिए, पिनाका रॉकेट को सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड से खरीदा जा सकता है।

## बनारस में अमित शाह की चार मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

● सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर 120 अधिकारियों के साथ मंथन ● रोहिंग्या-घुसपैठ रोकने पर भी चर्चा, सीमा विवाद पर भी हुआ मंथन

**वाराणसी (एजेंसी)।** गृहमंत्री अमित शाह ने काशी में 4 राज्यों के सीएम के साथ मीटिंग की। होटल ताज में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक हुई। इसमें यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी शामिल हुए। सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक में

विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े ऐसे मामले जो केंद्र सरकार के बिना नहीं सुलझ सकते... इन पर चर्चा हुई। साथ ही इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के अलावा भारत-नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामलों को लेकर चर्चा हुई।

## ईरान का बड़ा दावा-दुश्मन को हार मानने के लिए किया मजबूर

● इजराइल के बाद शिया देश ने भी सीजफायर का कर दिया ऐलान

**तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)।** इजराइल के बाद अब ईरान ने भी सीजफायर की घोषणा कर दी है। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया कि ईरान ने दुश्मन को पछताने और हार मानने के लिए मजबूर कर दिया। ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को ताजा हमले से भी इनकार किया है। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने सरकारी टेलीविजन को दिए एक बयान में पिछले कुछ घंटों में इजराइल पर मिसाइलें हमले के दावों को खारिज कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जंग के 12वें दिन आज सुबह सुबह 7.48 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। सुबह 10.38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा-अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें। ट्रम्प के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले रोकने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना का मकसद पूरा हो चुका है। हालांकि, सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद इजराइल ने ईरान पर मिसाइल हमले का आरोप लगाया था। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी सेना को ईरान पर जवाबी कार्रवाई का आदेश दे दिया। काट्ज ने सेना को तेहरान पर जोरदार हमला करने को कहा है।

## भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं:पीएम

● आतंकवाद पर बोले पीएम मोदी, श्री नारायण गुरु के आदर्शों को किया याद

### पीएम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी किया जिक्र, रक्षा आत्मनिर्भरता पर जोर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच 100 साल पहले हुई ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर भी खुलकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि 100 साल पहले दोनों की मुलाकात सामाजिक समरसता और विकसित भारत के लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के बड़े स्रोत का काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं। श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश का प्रतीक साबित हो सकते हैं। मैं आज भी जब समाज के शोषित और वंचित वर्ग के लिए कोई बड़ा फैसला लेता हूं तो श्री नारायण गुरु को जरूर याद करता हूं।

### रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है भारत

पीएम मोदी ने कहा, भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति स्पष्ट बता दी है। आज भारत वही कदम उठाता है, जो संभव और राष्ट्रहित में होता है। भारत रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने मेड इन इंडिया हथियारों का इस्तेमाल किया है। बता दें कि श्री नारायण गुरु को केरल के महान संतों, सुधारक और दार्शनिकों में गिना जाता है। उन्होंने सबको एक किया।

## ईरान-इजराइल युद्ध के चलते देशभर में 60 फ्लाइट कैंसिल

### दिल्ली एयरपोर्ट की 48 उड़ानें रद्द, 4 राज्यों में भी उड़ानें प्रभावित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान-इजराइल युद्ध का असर भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ रहा है। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। इनमें 28 फ्लाइट दिल्ली आने और 20 दिल्ली से रवाना होने वाली थीं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं।

## जिस फ्लैट में सोनम रुकी, उसका मालिक कोर्ट में पेश

● आरोपी बोला-छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा ● इंदौर क्राइम ब्रांच को भी नसीहत-बिना पूछे बयान न दें

**इंदौर/ग्वालियर (एजेंसी)।** ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम शिलॉन्ग से लौटकर इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र तोमर को पुलिस ने ग्वालियर कोर्ट में पेश किया है। यहां उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। लोकेंद्र को ग्वालियर पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया था। पेशी के लिए जाते वक्त लोकेंद्र ने मीडिया से कहा- मुझे अभी आरोपों का पता नहीं है। छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। इससे पहले पुलिस ने लोकेंद्र का मेडिकल चेकअप कराया गया। लोकेंद्र की बिल्डिंग के फ्लैट में सोनम 30 मई से 7 जून तक रुकी थी। उसने ये बिल्डिंग शिलोम जेम्स को किराए पर दी थी। पुलिस सोमवार शाम करीब 4.30 बजे ग्वालियर के गांधीनगर में एमके प्लाजा के फ्लैट नंबर 105 में पहुंची थी। प्लाजा के गार्ड ने बताया कि सिविल ड्रेस में चार लोग आए थे। उन्होंने गाड़ी दूर ही खड़ी कर दी थी। वे अपने साथ लोकेंद्र तोमर को ले गए हैं। मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच के

लोकेंद्र सिंह तोमर, ठेकेदार

एसीपी पूनमचंद यादव ने बताया था कि आरोपी विशाल चौहान के घर से हत्या के वक्त पहने गए कपड़े जब्त किए गए हैं। वहीं, शिलॉन्ग में राजा के शव के पास से भी एक शर्ट जब्त हुई थी, जिसे हत्यारे की बताया गया था। शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया था कि मौके से मिली शर्ट विशाल की ही है। इसके बावजूद इंदौर क्राइम ब्रांच विशाल के घर खून से सने कपड़े जब्त करने पहुंची थी। इसके अलावा आरोपियों ने मोबाइल नष्ट करने की भी बात कही थी। लेकिन एसीपी यादव ने खुले मैदान से सिम जब्त होने की पुष्टि भी कर दी है। जब शिलॉन्ग डीजीपी इदाशीशा नोंगरांग को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने एमपी के डीजीपी कैलाश मकवाना से बात की। उन्होंने इंदौर कमिश्नर संतोष सिंह तक मामले की जानकारी पहुंचाई। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद एक मीटिंग लेकर क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी, एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया और एसीपी पूनमचंद यादव को जमकर फटकार लगाई गई। साथ ही शिलॉन्ग पुलिस से बात किए बिना किसी भी तरह का बयान देने से मना कर दिया गया। राजा की हत्या के बाद इंदौर लौटी सोनम देवास नाका स्थित जिस फ्लैट में रुकी थी, उसमें उसने काले रंग का एक बैग भी छोड़ा था। शिलॉन्ग पुलिस इस बैग को तलाश रही थी।

### लोकेंद्र के कहने पर ही जलाया था सोनम का बैग

सूत्रों के मुताबिक, लोकेंद्र तोमर के कहने पर ही सोनम का बैग जलाया गया था। इसकी पुष्टि प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स के मोबाइल में मिली चैट से हुई है। शिलोम जेम्स ने पूछताछ में बताया है कि जिस बिल्डिंग में सोनम ठहरी थी, उसे तीन लाख रुपए प्रति माह किराए पर लिया था। वहां अलग-अलग किराएदारों को ठहराता था। सोनम की गिरफ्तारी के बाद लोकेंद्र ने शिलोम पर दबाव बनाया था कि फ्लैट से तुरंत बैग हटाकर उसे जला दिया जाए। उसी बैग में राजा और सोनम के मोबाइल फोन सहित कई अहम सबूत थे। जले हुए बैग से जो सामान जब्त हुआ है, पुलिस उसकी फोरेंसिक जांच कराएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि बैग के साथ और क्या-क्या सामान जलाया गया है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

## भारतीय समाज में महिलाओं की बदलती भूमिका

भारतीय समाज में नारी को हमेशा से विशिष्ट स्थान प्राप्त रहा है। कभी वह सीता और सावित्री के रूप में त्याग और सहनशीलता की प्रतिमूर्ति रही, तो कभी झांसी की रानी या कल्पना चावला बनकर उसने साहस और बुलंदियों की मिसाल पेश की। परंतु बीते कुछ दशकों में नारी की भूमिका में जो व्यापक परिवर्तन आया है, वह समाज की सोच, अवसरों और आत्मनिर्भरता की दिशा में हुए सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है।

पहले जहाँ महिलाओं की भूमिका घर की चारदीवारी तक सीमित थी, वहीं अब वे हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। शिक्षा, राजनीति, सेना, खेल, विज्ञान, कला और उद्योग—हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी पहचान बनाई है। मैरी कॉम से लेकर पीवी सिंधु, निर्मला सीतारमण से लेकर इरा सिंघल तक—ये उदाहरण सिर्फ कुछ नाम नहीं, बल्कि नई सोच की जीती-जागती मिसालें हैं।

इस बदलाव की जड़ें शिक्षा और जागरूकता में हैं। बेटियों की शिक्षा पर बढ़ता ज़ोर, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे सरकारी अभियानों ने आमजन की मानसिकता को बदलने में भूमिका निभाई है। पहले जो समाज बेटी को बोझ समझता था, अब वही बेटी को अभिमान मानने लगा है। माता-पिता अब अपनी बेटियों को डॉक्टर, इंजीनियर, ऑफिसर या खिलाड़ी बनने के सपने देखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

बदलती सामाजिक सोच के साथ-साथ महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वे अब अपने अधिकारों को जानती हैं, आवाज़ उठाना सीख रही हैं और अन्याय के विरुद्ध खड़ी हो रही हैं। #MeToo जैसे अभियानों ने यह दिखा दिया कि महिलाएं अब चुप रहने वाली नहीं हैं। वे न्याय के लिए लड़ना जानती हैं, और समाज भी अब उनके साथ खड़ा है।

हालाँकि, यह भी सच है कि इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियाँ कम नहीं हुई हैं। आज भी ग्रामीण भारत में बाल-विवाह, घरेलू हिंसा, दहेज, लैंगिक भेदभाव और यौन शोषण जैसे गंभीर मुद्दे महिलाओं के सामने खड़े हैं। महिलाओं की भागीदारी भले ही बढ़ी हो, पर उनकी सुरक्षा, समानता और गरिमा की लड़ाई अभी अधूरी है। कामकाजी महिलाओं को कार्यस्थलों पर लैंगिक भेदभाव, वेतन में असमानता और कार्य-जीवन संतुलन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। इसके अलावा समाज के एक वर्ग में आज भी 'कैरियर और विवाह' या 'मां और प्रोफेशनल' में से एक को चुनने की मानसिकता मौजूद है, जो नारी को सीमित करने का प्रयास करती है।

परंतु इन सबके बावजूद, यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। अब नारी केवल प्रेरणा की मूर्ति नहीं, बल्कि परिवर्तन की वाहक बन चुकी है। वह समाज को दिशा दे रही है, और विकास की धुरी बनती जा रही है।

अब ज़रूरत इस बात की है कि हम इस बदलाव को और मज़बूत करें। महिलाओं को केवल अवसर नहीं, बल्कि समान अधिकार, सुरक्षा और समर्थन मिलना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, नेतृत्व, रोजगार और तकनीक के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देकर ही हम एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं।

भारतीय समाज में नारी की भूमिका अब पारंपरिक सीमाओं से निकलकर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। कभी घर तक सीमित रहने वाली महिलाएं आज शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल, और कारोबार जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं। यह बदलाव सिर्फ महिलाओं की जीत नहीं, बल्कि समाज की सोच में आए परिवर्तन का प्रमाण है।

शिक्षा और जागरूकता ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। वे अब अपने हक के लिए आवाज़ उठाने लगी हैं और अपने फैसले खुद लेने की क्षमता रखती हैं। कल्पना चावला, पीवी सिंधु, निर्मला सीतारमण जैसी महिलाओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर नारी किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है।

हालाँकि, चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं—जैसे लैंगिक भेदभाव, सुरक्षा की चिंता और कार्यस्थल पर असमानता। लेकिन इन बाधाओं के बावजूद महिलाएं दृढ़ता से आगे बढ़ रही हैं।

आज की नारी सिर्फ प्रेरणा नहीं, परिवर्तन की वाहक है। उसे अब "कमज़ोर" नहीं, बल्कि "सशक्त" के रूप में देखा जाना चाहिए। जब समाज उसकी हर भूमिका को सम्मान देगा, तभी भारत सच में विकसित कहलाएगा।

# अंतरिक्ष की ओर शुभांशु की उड़ान क्या मिलेगा भारत को फ़ायदा ?

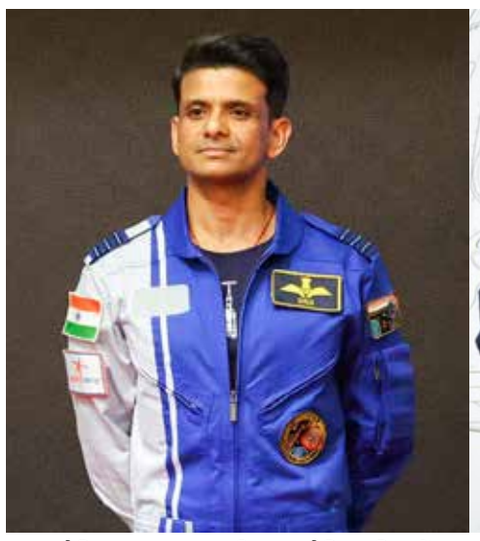

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक और सुनहरा अध्याय जुड़ गया है। भारतीय मूल के युवा वैज्ञानिक शुभांशु शुक्ला ने हाल ही में अंतरिक्ष की ओर उड़ान भरते हुए न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की, बल्कि देश को भी गर्व का एक बड़ा कारण दिया है। उनकी यह यात्रा केवल एक अंतरिक्ष मिशन नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है उन लाखों भारतीय युवाओं के लिए जो विज्ञान, तकनीक और शोध के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

लेकिन सवाल यह भी है कि शुभांशु की यह ऐतिहासिक उड़ान भारत के लिए वास्तविक मायनों में क्या लाभ लेकर आएगी? क्या इससे हमारे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति मिलेगी? क्या इससे विज्ञान एवं तकनीक क्षेत्र में नवाचार को बल मिलेगा? यही प्रश्न इस संपादकीय लेख की मूल विषयवस्तु हैं।

**1. शुभांशु शुक्ला कौन हैं?**

शुभांशु शुक्ला उत्तर प्रदेश के एक साधारण परिवार से आते हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा सरकारी स्कूल से हुई और बाद में उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में रिसर्च करने के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक मिशन में उड़ान भरने का अवसर मिला।

उनकी उड़ान यह साबित करती है कि मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर कोई भी युवा अंतरिक्ष तक पहुंच सकता है — बशर्ते उसे उचित अवसर और संसाधन मिलें।

**2. भारत के लिए गौरव का क्षण**

शुभांशु की यह यात्रा भारत के लिए गर्व का विषय है। यह संकेत देती है कि भारतीय युवाओं की वैज्ञानिक क्षमता वैश्विक स्तर पर सराही जा रही है। यह न केवल अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की ताक़त को दर्शाती है, बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता का भी प्रमाण है।

जब किसी देश का युवा वैज्ञानिक किसी वैश्विक अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा बनता है, तो वह देश की सॉफ्ट पावर और वैज्ञानिक डिप्लोमेसी को भी मज़बूती प्रदान करता है।

**3. भारत को इससे क्या फ़ायदा ?**

अब आइए मूल सवाल की ओर बढ़ते हैं — शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा भारत को किस प्रकार लाभ पहुँचा सकती है?

(i) वैज्ञानिक नवाचार को प्रेरणा- शुभांशु जैसे युवा वैज्ञानिकों की कहानियां अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए प्रेरणा बनती हैं। इससे छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ती है और वे रिसर्च व इनोवेशन की ओर आकर्षित होते हैं।

(ii) अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए रास्ते- जब भारतीय वैज्ञानिक वैश्विक मिशनों का हिस्सा बनते हैं, तो इससे अंतरराष्ट्रीय स्पेस एजेंसियों और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के बीच सहयोग की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। शुभांशु की यह उड़ान भारत के लिए ऐसे सहयोग का द्वार खोल सकती है।

(iii) ISRO की छवि को मजबूती- हालाँकि शुभांशु की यह उड़ान किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी के माध्यम से हुई, लेकिन उनकी भारतीय पृष्ठभूमि ISRO की प्रशिक्षण क्षमता और वैज्ञानिक तैयारियों को दुनिया के सामने प्रस्तुत करती है। इससे भारत की अंतरिक्ष नीति को समर्थन और पहचान मिलती है।

(iv) बौद्धिक पूंजी का लाभ- शुभांशु जैसे वैज्ञानिकों का अनुभव और ज्ञान अगर भविष्य में भारत की परियोजनाओं से जुड़ता है, तो यह भारत की तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। देश की बौद्धिक पूंजी को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलना एक दीर्घकालिक लाभ है।

**4. ब्रेन ड्रेन बनाम ब्रेन गेन**

शुभांशु की सफलता एक अन्य बहस को भी जन्म देती है — ब्रेन ड्रेन बनाम ब्रेन गेन की बहस। क्या शुभांशु जैसे प्रतिभावान युवाओं का विदेश जाना भारत के लिए नुकसान है, या फिर उनकी वैश्विक उपलब्धियां एक दिन देश की सेवा में लौटेंगी?

दरअसल, वर्तमान वैश्वीकरण के युग में ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। अगर शुभांशु जैसे वैज्ञानिक विदेश में भी रहकर भारत से जुड़े रहते हैं, सहयोग करते हैं या देश की नीतियों को प्रभावित करते हैं, तो इसे 'ब्रेन गेन' के रूप में देखा जाना चाहिए।

**5. अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की स्थिति**

भारत ने पिछले कुछ दशकों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में चमत्कारी उपलब्धियाँ हासिल की हैं — चाहे वह चंद्रयान, मंगलयान, या सौर मिशन आदित्य एल1 हो। लेकिन यह भी सच है कि अभी भी हमें अमेरिका, रूस और यूरोप जैसी बड़ी स्पेस एजेंसियों के स्तर पर पहुंचने में समय लगेगा।

ऐसे में शुभांशु जैसे वैज्ञानिकों की भागीदारी और उनकी विशेषज्ञता भारत की स्पेस रणनीति को मज़बूती देने में मददगार हो सकती है।

**6. शिक्षा नीति पर असर**

शुभांशु की सफलता भारत की शिक्षा नीति के लिए भी एक प्रेरणा बन सकती है। यह दिखाता है कि यदि स्कूल स्तर से ही विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को मज़बूत किया जाए, तो भारत से विश्वस्तरीय वैज्ञानिक निकल सकते हैं।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) में नवाचार, प्रायोगिक शिक्षा और तकनीकी विकास पर ज़ोर दिया गया है — ऐसे उदाहरणों से इसकी सार्थकता और ज़्यादा सिद्ध होती है।

**7. मीडिया और समाज की भूमिका**

भारत में वैज्ञानिक उपलब्धियों को लेकर मीडिया कवरेज की सीमाएं भी स्पष्ट हैं। जहाँ क्रिकेटरों या सेलिब्रिटीज़ की छोटी-छोटी बातों को भी प्रमुखता दी जाती है, वहीं वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ अपेक्षाकृत पीछे छूट जाती हैं।

शुभांशु शुक्ला की यह ऐतिहासिक उड़ान एक मौका है कि समाज और मीडिया, विज्ञान को भी उतनी ही प्रमुखता दें, जितनी अन्य क्षेत्रों को देते हैं। इससे देश में 'विज्ञान संस्कृति' का विकास होगा।

**8. नीति-निर्माताओं के लिए संदेश**

भारत सरकार को शुभांशु की सफलता से यह संदेश लेना चाहिए कि यदि देश में प्रतिभाओं को सही समय पर अवसर, संसाधन और मार्गदर्शन मिल जाए तो वे वैश्विक स्तर पर चमत्कार कर सकते हैं।

इसलिए ज़रूरत है:

अनुसंधान एवं विकास (R&D) में ज़्यादा निवेश की

ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान शिक्षा के विस्तार की

अंतरिक्ष स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने की

प्रतिभावान छात्रों के लिए विशेष स्कॉलरशिप और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की

## सुबह जल्दी उठना; सुन्नत भी, सेहत भी

सुबह जल्दी उठना सिर्फ एक अच्छी आदत नहीं, बल्कि एक मुकम्मल lifestyle है। यह ना सिर्फ इंसानी जिस्म और दिमाग को ताज़गी देता है, बल्कि रूहानी तौर पर भी बहुत सुकून देता है। इस्लाम में इसे सुन्नत बताया गया है, और साइंस इसे हेल्थ और प्रोडक्टिविटी का राज़ मानता है। सवाल ये है कि जब यह इतनी फायदेमंद आदत है, तो हममें से ज़्यादातर लोग इसे अपनाने में पीछे क्यों रह जाते हैं?

**सुबह जल्दी उठना: इस्लामी नजरिया**

इस्लाम एक मुकम्मल ज़िंदगी का पैग़ाम देता है। नबी-ए-अकरम हज़रत मुहम्मद की ज़िंदगी को अगर गौर से देखें, तो वो हमेशा सुबह सवेरे उठते थे, और यह आदत उन्होंने सिर्फ अपने लिए नहीं रखी बल्कि उम्मत को भी यही तरग़ीब दी। सुबह की नमाज़ (फ़ज्र) इस्लाम में सबसे पहले अदा की जाने वाली फर्ज़ नमाज़ है। इसका वक्त सुबह सवेरे सूरज निकलने से पहले होता है। यही वक्त है जब सारा आलम खामोश होता है, हवाएं ताज़ा होती हैं, और दिल-ओ-दिमाग को सबसे ज़्यादा सुकून मिलता है।

**क़ुरान में फ़रमाया गया- "और सुबह की क़ुरआन की तिलावत, बेशक सुबह की तिलावत में गवाह मौजूद होते हैं।"**

(सूरह अल-इसरा: 78) यह आयत इस बात की तरफ इशारा करती है कि सुबह का वक्त ना सिर्फ इबादत के लिए बेहतरीन है, बल्कि इसमें की गई तिलावत (क़ुरआन पढ़ना) अल्लाह के नज़दीक बहुत अज़ीम दर्जा रखती है।

हदीस शरीफ़ में है - "या अल्लाह! मेरी उम्मत के लिए सुबह के वक्त में बरकत अता फ़रमा."

(सुनन अबू दाऊद) यानि सुबह के वक्त में अल्लाह ने बरकत रखी है। जो लोग इस वक्त को सोकर गुज़ार देते हैं, वो इस नेमत से महरूम रह जाते हैं।

**सुबह जल्दी उठने के सेहत से जुड़े फ़ायदे**

अब अगर मेडिकल साइंस और मॉडर्न रिसर्च की बात करें, तो भी यह बात साबित हो चुकी है कि सुबह जल्दी उठना तंदरुस्ती और तवाज़ुन भरी ज़िंदगी के लिए बेहद अहम है।

1. मानसिक ताज़गी और स्ट्रेस में कमी:सुबह की ताज़ा हवा और सुकून भरा माहौल इंसान के दिमाग को फ्रेश करता है। cortisol (stress hormone) का लेवल कम हो जाता है और dopamine जैसे feel-good chemicals एक्टिव होते हैं।

2. बेहतर digestion और metabolism:सुबह जल्दी उठने वाले लोग आमतौर पर नाश्ता समय पर करते हैं। इससे मेटाबॉलिज़्म एक्टिव होता है, खाना जल्दी हज़म होता है और मोटापा कम होता है।

3. वर्कआउट और योग का बेहतरीन वक्त:सुबह का वक्त एक्सरसाइज़, रनिंग या योग के लिए सबसे सही वक्त माना जाता है। इस समय शरीर energetic रहता है और pollution का लेवल भी कम होता है।

4. बेहतर नींद का चक्र:जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं, उनकी नींद का सिस्टम regulate होता है। वो रात को जल्दी सो जाते हैं और गहरी नींद लेते हैं जिससे दिमाग और शरीर दोनों recharge हो जाते हैं।

5. स्किन और चेहरे पर निखार:सुबह जल्दी उठने से चेहरे पर ताज़गी आती है। त्वचा को ऑक्सीजन और blood circulation बेहतर तरीके से मिलता है, जिससे natural glow बना रहता है।

**सुबह जल्दी उठने से मिलने वाली रूहानी ताक़त**

इस्लाम सिर्फ जिस्मानी नहीं, रूहानी फ़ायदे भी देता है। सुबह की इबादत, ज़िक्र और तिलावत इंसान के दिल को सुकून देती है। सुबह का वक्त तफक्कुर (गहराई से सोचने) का वक्त होता है। इस समय की गई दुआ, तौबा और तज़किरा (अल्लाह का ज़िक्र) का असर दिनभर के रवैये और फैसलों पर पड़ता है।

सुबह के वक्त तन्हाई में अपने रब से बात करना, उसे याद करना, इंसान को घमंड से दूर करता है और शुक्रगुज़ार बनाता है। यही वजह है कि तमाम औलिया और बड़े बुज़ुर्ग इस वक्त को बहुत अहमियत देते थे।

**समाज में बदलाव की ज़रूरत**

आजकल की दौड़ती-भागती ज़िंदगी में सुबह जल्दी उठने को "पुरानी सोच" या "गाँव वाला कल्चर" मान लिया गया है। लेकिन यही आदत हमें फिर से अपनी जड़ों से जोड़ सकती है।स्कूल और ऑफिस कल्चर को भी ऐसा बनाना चाहिए कि लोग देर रात तक काम न करें। रात को देर से सोना और सुबह देर तक सोना एक ऐसी बुराई बन चुकी है जो शरीर, रिश्तों, दीन और दिमाग – हर चीज़ को नुक़सान पहुँचा रही है।

# मोदी काल में पूर्वोत्तर राज्य रच रहे इतिहास

एक समय ऐसा भी था कि उत्तर पूर्व के राज्य विकास की दौड़ में काफी पीछे थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास की उंगली पकड़ कर अब ये राज्य उपलब्धियों की नयी कहानी लिख रहे हैं। गोवा व मिजोरम के बाद त्रिपुरा तीसरा ऐसा राज्य है जिसने पूर्ण साक्षरता दर को प्राप्त कर लिया है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को बताया कि अंडरस्टैंडिंग लाइफलांग लर्निंग फॉर ऑल इन सोसायटी (ULLAS) एवं नेशनल एडुकेशन पॉलिसी (NEP2020) की सहायता से त्रिपुरा ने इस उपलब्धि को हासिल किया है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा (जिनके पास शिक्षा विभाग का दायित्व भी है) ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के सपने में साक्षरता सबसे अधिक महत्व रखती है, जिसके कारण इस विषय में प्रधानमंत्री ने खुद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं।

**पूर्ण साक्षर वाला तीसरा राज्य बना त्रिपुरा**

वर्ष 2022 से 2027 तक चलने वाला ULLAS नव भारत साक्षरता कार्यक्रम केंद्र प्रायोजित योजना 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के उन युवाओं और वयस्कों को लक्षित करती है, जिन्होंने कभी औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि यहां तक पहुंचना आसान नहीं था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं इसमें रुचि ली जिसके तहत राज्य ने इस उंचाई को प्राप्त कर पाया। 95.6 प्रतिशत साक्षरता दर के साथ त्रिपुरा ने पूर्ण साक्षरता दर प्राप्त की है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को जानकारी देते हुए कहा कि ये एक ऐतिहासिक क्षण है, हमें पूर्ण साक्षर राज्य की मान्यता मिली है, ये हमारे लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि त्रिपुरा को इस उंचाई तक पहुंचाने के लिए जिन्होंने अथक परिश्रम किया है शिक्षा विभाग, शिक्षक और छात्र मैं उन सभी को धन्यवाद करता हूं।

साहा ने कहा कि राज्य में 1961 में साक्षरता दर 20.24 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जहां से यह 1991 में 60.44 प्रतिशत, 2001 में 73.19 प्रतिशत और 2011 में 87.22 प्रतिशत हो गई। 2023-24 में साक्षरता दर 93.7 प्रतिशत थी और 2024-25 में यह बढ़कर 95.6 प्रतिशत हो गई। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा पूर्ण साक्षरता के लिए निर्धारित सीमा 95 प्रतिशत है। साहा ने बताया कि साक्षरता कार्यक्रम पहले लोगों को अपना नाम लिखना सिखाने तक सीमित था, लेकिन अब इसका फोकस आधारभूत साक्षरता और अंकगणित, पढ़ना, लिखना, बुनियादी अंकगणित, महत्वपूर्ण जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, सतत शिक्षा और कौशल विकास को शामिल करने तक फैल गया है। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए कहा कि त्रिपुरा हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, अगर हम GDP की बात करें तो त्रिपुरा पूर्वोत्तर के राज्यों में असम के बाद दूसरे नंबर पर आता है, एवं सिक्किम के बाद त्रिपुरा की प्रति व्यक्ति आय दूसरी सबसे अधिक है।

**त्रिपुरा ने पूर्ण साक्षरता कैसे हासिल की?**

त्रिपुरा को 95% के आंकड़े को पार करने में जमीनी स्तर पर काम और तकनीक आधारित शिक्षा का मजबूत मिश्रण ही सहायक रहा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बताया कि केन्द्रीय परियोजनाओं का लाभ पहले उत्तरपूर्वी राज्यों को पूरी तरह नहीं मिलता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर पूर्वी राज्यों का विशेष ध्यान रखा। घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने से लेकर सक्रिय ULLAS मोबाइल ऐप के व्यापक उपयोग किया गया, इस कार्यक्रम ने सुनिश्चित किया कि शिक्षा राज्य के सबसे दूरदराज के इलाकों तक भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि पिछले साल 17 मार्च को आयोजित फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी असेसमेंट टेस्ट में कुल 4,597 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 3,581 सफल हुए। इसके बाद पिछले साल 29 दिसंबर को 14,179 परीक्षार्थी और शामिल हुए, जिनमें से 13,909 पास हुए। इसके बाद इस साल 23 मार्च को कुल 5,896 में से 5,819 परीक्षार्थी पास हुए।राज्य भर में 2,228 स्वयंसेवकों ने साक्षरता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जिन्हें 943 सामाजिक चेतना केन्द्रों से सहायता प्राप्त है। स्वतंत्रता के समय भारत की साक्षरता दर केवल 14% थी, जो पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी, 2023-24 में ये दर बढ़कर 80.9 प्रतिशत हो गयी।

## हदीस-ए-जिब्रील (जिब्रील अलैहिस्सलाम की हदीस)

स्रोत: सहीह मुस्लिम, हदीस नंबर 8

हज़रत उमर बिन अल-खत्ताब (रज़ि.) से रिवायत है: "हम एक दिन हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के साथ बैठे हुए थे कि एक आदमी हमारे पास आया। हज़रत उमर इब्न अल-खत्ताब रज़ि. कहते हैं: "एक दिन हम अल्लाह के रसूल के साथ बैठे हुए थे कि एक अजनबी आदमी आया। उसके कपड़े बहुत सफेद और बाल बहुत काले थे। उस पर सफ़र का कोई निशान नहीं था और हममें से कोई भी उसे पहचानता नहीं था। वह सीधा नबी के सामने बैठ गया, घुटनों को उनके घुटनों से मिला दिया और हाथ अपनी जांघों पर रखकर कहने लगा – 'मोहम्मद, मुझे बताओ कि इस्लाम क्या है?'" रसूल अल्लाह ने फ़रमाया: "इस्लाम यह है कि तुम गवाही दो कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं और मोहम्मद अल्लाह के रसूल हैं, नमाज़ अदा करो, ज़कात दो, रमज़ान में रोज़ा रखो और यदि क़ाबिल हो तो हज करो।" अजनबी ने कहा, "आपने सच कहा।" हमें (सहाबा को) हैरानी हुई कि सवाल भी कर रहा है और फिर खुद ही जवाब की तस्दीक भी कर रहा है! फिर उसने पूछा, "अब मुझे बताइए ईमान (faith) क्या है?" अल्लाह के रसूल ने कहा: "ईमान यह है कि तुम अल्लाह पर, उसके फ़रिश्तों पर, उसकी किताबों पर, उसके रसूलों पर, क़ियामत के दिन पर और तक़दीर – चाहे भली हो या बुरी – पर यक़ीन रखो।" उसने फिर कहा, "आपने सच कहा।" फिर पूछा, "अब मुझे एहसान (खूबसूरती से अमल करना) के बारे में बताइए।" रसूल ने जवाब दिया:"एहसान यह है कि तुम अल्लाह की इबादत ऐसे करो जैसे तुम उसे देख रहे हो, और अगर तुम उसे नहीं देख सकते तो यह जानो कि वह तुम्हें देख रहा है।" उसने पूछा, "क़यामत कब आएगी?" रसूल ने फरमाया: "इसका जवाब न सवाल करने वाला जानता है न जिससे पूछा गया।" फिर उसने कहा, "तो उसके निशानात बताइए।" रसूल ने कहा: "गुलाम औरत अपनी मालकिन को जन्म देगी, और तुम देखोगे कि नंगे पाँव, नंगे बदन, ग़रीब बकरियों के चरवाहे ऊँची-ऊँची इमारतों की होड़ करेंगे।" फिर वह आदमी चला गया। कुछ देर बाद रसूल ने मुझसे पूछा, "उमर, जानते हो यह शख्स कौन था?" मैंने कहा, "अल्लाह और उसका रसूल बेहतर जानते हैं।" तब रसूल ने फ़रमाया: 'वो जिब्रील (अलैहिस्सलाम) थे, जो तुम्हें तुम्हारा दीन सिखाने आए थे।'

## रोक के बावजूद रॉकेट और हमले: सीज़फायर के पीछे की राजनीतिक चालें

पश्चिम एशिया एक बार फिर तनाव की आग में झुलस रहा है। ईरान और इज़राइल के बीच हुए ताज़ा संघर्ष के बाद जब सीज़फायर की घोषणा हुई, तो उम्मीद जगी कि अब हालात सामान्य होंगे। मगर यह उम्मीद कुछ ही दिनों में टूट गई जब एक बार फिर रॉकेट दागे गए, ड्रोन हमले हुए और धमकियों का सिलसिला चलता रहा। ऐसे में यह सवाल ज़रूरी हो गया है कि क्या ये सीज़फायर वास्तव में शांति की ओर बढ़ने का कदम हैं या केवल राजनीतिक चालें हैं, जिनका उद्देश्य समय खरीदना और दुनिया को भ्रमित करना है?

ईरान और इज़राइल के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी किसी से छिपी नहीं है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, इज़राइल की सुरक्षा नीति, फिलिस्तीन का मसला, लेबनान में हिज़्बुल्लाह की मौजूदगी—ये सब एक विस्फोटक समीकरण का हिस्सा हैं। जब भी दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंचता है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप होता है और 'सीज़फायर' की घोषणा कर दी जाती है। मगर सवाल यह है कि क्या इन संघर्ष विरामों का कोई स्थायी असर होता है, या ये केवल दिखावा हैं?

वास्तविकता यह है कि हर बार जब सीज़फायर होता है, तो उसके तुरंत बाद दोनों पक्षों की गतिविधियाँ और भी सशंकित हो जाती हैं। एक ओर जहाँ ईरान यह दावा करता है कि वह आत्मरक्षा कर रहा है, वहीं इज़राइल "प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक" की नीति के तहत कार्यवाही करता है। इस बीच अमेरिका की भूमिका और भी पेचीदा हो जाती है—वह एक ओर इज़राइल का समर्थन करता है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने की बात करता है। यह दोहरी नीति कहीं न कहीं मध्य-पूर्व की शांति प्रक्रिया को ही अविश्वसनीय बना देती है।

सीज़फायर के पीछे छिपी राजनीतिक चालें कुछ स्पष्ट संकेत देती हैं:

राजनीतिक समय खरीदना: दोनों देशों की सरकारें, खासकर संकट के समय, जनता का ध्यान आंतरिक मुद्दों से हटाने के लिए युद्ध या संघर्ष का सहारा लेती हैं। सीज़फायर की घोषणा से वे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को 'शांति प्रिय' दिखाने की कोशिश करती हैं।

राजनयिक दबाव से बचाव: संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं का दबाव बढ़ने पर सीज़फायर एक रणनीतिक ढाल बन जाती है।

सेना की पुनर्गठन प्रक्रिया: संघर्ष विराम के दौरान सैन्य शक्ति को पुनः संगठित किया जाता है, रणनीति बनाई जाती है, ताकि अगला हमला और प्रभावी हो।

वैश्विक छवि सुधारना: अमेरिका जैसी शक्तियाँ, जिनकी छवि शांति रक्षक की है, इन सीज़फायरों को कूटनीतिक उपलब्धि बताकर अपनी विदेश नीति को ठहराने की कोशिश करती हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज़्यादा प्रभावित होता है आम इंसान। ग़ाज़ा, बेरूत, तेहरान या तेल अवीव में रहने वाले लोग हर वक्त भय के साए में जीते हैं। उनके लिए 'सीज़फायर' एक अस्थायी राहत की तरह है, जिसे कभी भी तोड़ा जा सकता है।

भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति और भी नाज़ुक है। एक ओर वह अमेरिका और इज़राइल के साथ रणनीतिक संबंध रखता है, तो दूसरी ओर ईरान से ऊर्जा और व्यापारिक समझौते भी करता है। ऐसे में भारत की विदेश नीति को संतुलन बनाए रखना पड़ता है। मगर बार-बार सीज़फायर टूटना यह साबित करता है कि पश्चिम एशिया में स्थायी शांति केवल राजनयिक हस्तक्षेप से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए नियति और नीयत दोनों की शुद्धता ज़रूरी है।

# आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर काला धब्बा

## -लोकतंत्र सेनानियों ने जेलों में यातनाएं सहकर की संविधान की रक्षा - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को देश में थोपा गया आपातकाल हमारे लोकतांत्रिक इतिहास पर काला धब्बा है। इस दौरान तत्कालीन सरकार ने मीसा और डीआईआर जैसे अलोकतांत्रिक कानूनों को लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और मौलिक अधिकारों का दमन किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों नेसंवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेलों में कड़ी यातनाएं झेली और लोकतंत्र को बचाने के लिए जो संघर्ष किया, वो एक अप्रतिम उदाहरण है।

शर्मा बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय- संविधान हत्या दिवस-2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा किआपातकालके दौरान तत्कालीन सरकार नेलगभग एक लाख 40 हजार लोगों को अलोकतांत्रिक तरीके से कई महीनों तक कैद में रखा। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी कोभी जेल में बंद कर दिया। लेकिन लोकतंत्र के सजग प्रहरी इन सेनानियों ने जीवन की परवाह किए बिना अपने संकल्प पर डटे रहे और आपातकाल का जमकर विरोध किया।

**प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र-**

शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की मूल भावना के अनुरूप हीयशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश में लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करनेके लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाने की शुरुआत कीऔर बाबा साहब अंबेडकर के जीवन से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ घोषित कर सम्मान दिया। वहीं हमारे द्वारा समर्थित केन्द्र सरकार ने ही बाबा साहब को भारत रत्न दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ ही दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र भी है।

राजस्थान में लोकतंत्र सेनानियों को अब मिल रहे बिना रूकावट पेंशन, भत्ता-

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमने राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि को फिर से बहाल किया है। अब प्रदेश के सभी लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपये मासिक पेंशन और 4 हजार रुपये की मासिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि अधिनियम के तहतऐसा प्रावधान भी किया गया है कि लोकतंत्र सेनानियों कोपेंशन बिना किसी रुकावट के मिलती रहेगी।

**लोकतंत्र की जड़ों को सेनानियों ने सींचा, नव पीढ़ी लें प्रेरणा-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र सेनानियों का सान्निध्य पाकर उन्हें अत्यंत हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। हमारे लोकतंत्र की जड़ों को सींचने और उसे मजबूत बनाने में उनका त्याग हम सब के लिए प्रेरणापुंज है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भावी पीढ़ी से सेनानियों से उनके संघर्ष के संस्मरण सुनने और प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इससे युवाओं को पता चलेगा कि जिन अधिकारों और स्वतंत्रताओं को वो उपभोग कर रहे हैं उसके लिए लोकतंत्र सेनानियों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या की तथा अलोकतांत्रिक तरीके से संविधान संशोधनों के जरिए आमजन के मौलिक अधिकारों का हनन किया। मीसा जैसा कानून लाया गया जिसमें अनिश्चितकालीन गिरफ्तारी का प्रावधान रखा गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के संस्मरणों से संकलित 'लोकतंत्र रक्षा की कहानी-सेनानियों की जुबानी'पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंनेलोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने परिसर में आपातकाल के 50 वर्ष पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

# ऊर्जा मंत्री ने करौली जिले में अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

## -राज्य सरकार सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने का काम कर रही है - ऊर्जा मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को करौली में विद्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए हरसंभव कदम उठा रही है तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। साथ ही, संबंधित विद्त विभाग के अधिकारी पूर्ण संवेदनशीलता, सक्रियता के साथ कृषि कनेक्शन जारी करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विद्त तंत्र को सुदृढ करने का काम कर रही है।

इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने आमजन को निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति पर गंभीरता दिखाते हुए, अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। वहीं जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल आपूर्ति के समय विद्त सप्लाई बाधित नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन जीएसएस के कार्यों में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। निविदा प्रक्रिया में किसी प्रकार की रूकावट नहीं होनी चाहिए एवं विद्त से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने बैठक में विभागीय अधिकारियों को बिजली आपूर्ति के सिस्टम को मजबूत करने और नई परियोजनाओं को गति देने पर जोर दिया। उन्होंने जले हुए ट्रांसफार्मर को समय पर बदलने और विद्त कनेक्शन समयबद्धता के साथ करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आरडीएसएस, कुसुम योजना, पीएम सूर्य घर योजना तथा अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विद्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल अन्त्योदय संबल पखवाड़े के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में विद्त संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। अवैध ट्रांसफार्मर रखने वालों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों द्वारा विद्त कनेक्शन के लिए डिमांड नोटिस राशि जमा करा दी हैं, उनको शीघ्र विद्त कनेक्शन दिए जाएं एवं डिमांड नोटिस में जमा कराई गई राशि में अगर किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर रिवाइज्ड डिमांड नोटिस जारी किए जाए। अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत तकनीकी हेल्पर को दूसरे स्थान पर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश जनहित में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए कार्य करें। बैठक में जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने विद्त विभाग के अधिकारियों की समय-समय पर बैठक लेकर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर निर्बाध विद्त आपूर्ति के लिए किए गए प्रयासों एवं बैठक में दिये गये निर्देशों की पालना करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा द्वारा कुछ मांगे एवं समस्याओं से अवगत करवाया गया जिन्हे शीघ्र ही पूरा एवं समाधान करने का आश्वासन दिया।

# मानसून की तैयारियों में जुटा स्वायत्त शासन विभाग

## -फ़ील्ड में जाकर किया निरीक्षण

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग में हाल ही में नियुक्त शासन सचिव रवि जैन ने कार्यभार संभालने के दूसरे ही दिन सक्रियता दिखाते हुए बुधवार को नगर निकायों और स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्त्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मानसून से पूर्व की तैयारियों की गहन समीक्षा की गई। जैन ने निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई, पंपिंग मशीनों की उपलब्धता और आपदा नियंत्रण के लिए संसाधनों की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बरसात के मौसम में आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जमीनी स्तर पर तैयारियों को सुदृढ़ किया जाए। उन्होंने खुले खड्डों को तत्काल भरने एवं प्रतिदिन कार्य प्रगति की जानकारी उनसे साझा करने के निर्देश भी दिए। रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार आमजन के जीवन को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध है।

डीएलबी निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इंद्रजीत सिंह ने कहा की जल भराव वाले क्षेत्रों में पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम एवं साइन बोर्ड लगाए जाए जिससे की कोई दुर्घटना न हो।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पूर्व ही डीएलबी निदेशक इन्द्रजीत सिंह ने प्रत्येक स्थानीय निकाय के स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और बारिश के मद्देनजर जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर, पहले से तैयारी रखने के आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी किए थे ।

बैठक के पश्चात शासन सचिव रवि जैन, निदेशक एवं विशिष्ट सचिव इन्द्रजीत सिंह, नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त गौरव सैनी, नगर निगम हेरिटेज की आयुक्त डॉ निधि पटेल ने संबंधित उच्च अधिकारियों के साथ जवाहर नगर कच्ची बस्ती, जयपुर एयरपोर्ट और अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने नालों की स्थिति, जल निकासी की व्यवस्था तथा आपातकालीन तैयारियों का जायजा लिया।

# अर्थव्यवस्था को मजबुत बनाने, रोजगार सृजन एवं असमानता को मिटाने में एमएसएमई महत्वपूर्ण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों ( MSMEs) के अद्वितीय योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र महासभा ( UNGA) द्वारा 27 जून को 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम दिवस' घोषित किया है। इसी उपलक्ष्य में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 25 जून 2025 को जयपुर में सूक्ष्म, लघु एवं मद्यम उद्यमों हेतु विशेष टाउन हॉल बैठक का आयोजन जयपुर के होटल में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नवीन नंबियार, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन एवं असमानता को मिटाने मे एमएसएमई क्षेत्र को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को एमएसएमई क्षेत्र के लिए डिजिटल और लागत प्रभावी ऋण की सुविधा के लिए आधुनिक तकनीकी नवाचारों के महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने उद्यमियों को अपने व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बैंकिंग चैनल का उपयोग करके डिजिटल पद चिन्हों को बढ़ाने का भी आग्रह किया। बैठक के दौरान विकास अग्रवाल, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर, ऋतु गौर, महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, एम अनिल अंचल प्रमुख, बैंक ऑफ बड़ौदा, दीपक गांधी, जोनल प्रबन्धक, ए यू स्माल फायनेंस बैंक, ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया। कार्यक्रम में गौरव जोशी, निदेशक, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग विकास कार्यालय, राजस्थान, शिल्पी आर पुरोहित, जिला उद्योग केंद्र, जयपुर राजस्थान, डॉ. के.एल. जैन, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ स्माल इंडस्ट्रीज, राजस्थान, एवं महिला उद्योग संगठनो के प्रतिनिधियो, रिजर्व बैंक, सहित अन्य बैंको के प्रतिनिधियो, विभिन्न एमएसएमई इकाइयों से उद्यमियों, संभाव्य उद्यमियों एवं एमएसएमई क्षेत्र में सेवारत प्रमुख बैंको के प्रतिनिधियों सहित लगभग 250 प्रतिभागियो ने भाग लिया।

# नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने सीकर के मास्टर प्लान 2041 के प्रारूप का किया प्रकाशन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को नगर परिषद सभागार, सीकर में मास्टर प्लान 2041 के प्रारूप का प्रकाशन किया। इस अवसर पर मास्टर प्लान पर आधारित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया,जो आमजन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी का अवलोकन कर शहरवासी आगामी एक महीने तक जनहित आधारित आपत्तियां दर्ज करवा सकते हैं।

इस दौरान यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि मास्टर प्लान 2041 के लिए आगामी एक महीने तक जनहित आधारित आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। इन आपत्तियों का निस्तारण व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहरवासियों से प्राप्त सकारात्मक सुझावों पर गहन मंथन किया जाएगा, किंतु व्यक्तिगत लाभ से संबंधित आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से सक्रिय सहयोग और सकारात्मक सुझाव देने का आह्वान किया ताकि व्यापक जनहित में कार्य हो सके।

इस अवसर पर राज्य मंत्री खर्रा ने मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना की लाभार्थी लक्ष्मी, सरोज, जमन, चुंकली, पुतली को दस हजार रुपये के चेक भी वितरित किए। उन्होंने नगर परिषद सभागार में आयोजित मास्टर प्लान 2041 प्रदर्शनी का विमोचन एवं मास्टर प्लान के मानचित्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

नगरीय विकास एवं स्वायत शासन राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सीकर शहर के नागरिकों को व्यवस्थित नगरीय सुविधाएं देने की दिशा में यह मास्टर प्लान एक दूरदर्शी पहल है। यह योजना जन सहभागिता से पूर्ण होगी और इसमें आमजन के सुझावों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि काफी लंबे समय से सीकर के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार करने का कार्य प्रगति पर था। हमारा उद्देश्य यह था कि इस योजना का प्रकाशन वर्ष 2024 में ही कर दिया जाए, लेकिन कुछ विधिक कारणों से इसमें विलंब हुआ। सभी पक्षों से गहन विचार-विमर्श के उपरान्त आज इसका अंतिम प्रारूप आप सभी की उपस्थिति में प्रकाशित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना नियोजित विकास के अनेक प्रकार की समस्याएँ जन्म लेती हैं, जिनका प्रभाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हम सभी को भुगतना पड़ता है।

झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हम सभी को अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर एक दीर्घकालिक सोच के साथ नियोजित विकास की दिशा में कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हमने समय रहते नियोजित विकास की आवश्यकता को नहीं समझा और उसे क्रियान्वित करना शुरू नहीं किया, तो हमें भविष्य में प्रकृति के कोप और अव्यवस्था के दुष्परिणाम झेलने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि मास्टर प्लान 2041 के प्रकाशन में कुल 50 गांवों को शामिल किया गया है, मास्टर प्लान प्रकाशन की तिथि से एक माह तक आमजन की समस्याएं सुनी जाकर उनकी आपत्ती प्राप्त की जायेगी, इसके बाद राज्य सरकार द्वारा समस्या का समाधान होने के बाद मास्टर प्लान को धरातल पर लागू किया जाएगा

कार्यक्रम में धोद विधायक गोवर्धन वर्मा ने कहा कि सीकर बहुत तेज़ी से विकास की ओर बढ़ रहा है, इसलिए हमें समय के साथ सुविधाएं और संसाधन भी उसी गति से विकसित करने होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीकर जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बताया कि मास्टर प्लान 2021 में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि सेक्टर, सड़कों की चौड़ाई, ग्रीन एरिया, औद्योगिक विकास, बस स्टैंड, पार्क, स्कूल, कॉलेज यथावत रखे गए हैं, वहीं रिंग रोड की चौड़ाई भी 200 फीट ही रखी गई है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

# भारत सरकार के नीति आयोग में डॉ. ललित के. पंवार पर्यटन और मेजबानी क्षेत्र पर देंगे सुझाव

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और देश के ख्यातनाम पर्यटन विशेषज्ञ डॉ. ललित के पंवार को उनकी विशेषज्ञ सेवाओं के लिए विशेष रूप से जोड़ा गया है। नीति आयोग में विशेष आमंत्रित सलाहकार के रूप में शासन और सुधार क्षेत्र के अंतर्गत डॉ. पंवार देश में पर्यटन, होटल, रिसोर्ट और टूर ऑपरेटर क्षेत्र से अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए अपने सुझाव देंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ. पंवार देश के जाने—माने पर्यटन विशेषज्ञ हैं। भारत सरकार में पर्यटन सचिव रहने के साथ ही उन्होंने भारतीय पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (आईटीसी) के सी.एम.डी. के रूप में भी सेवाएं दी हैं। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में ही पीएचडी की है। वह राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे हैं तथा राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर रहते हुए भी उन्होंने महती सेवाएं प्रदान की हैं। विश्व स्तर पर राजस्थान की पर्यटन की पहचान बने "पधारो म्हारे देश" स्लोगन भी उन्हीं का दिया हुआ है।

डा. पंवार एक जुलाई को इस विषयक विशेष बैठक में सम्मिलित होंगे।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को लेकर प्रतिबद्ध

## -जल संसाधन मंत्री रावत और विधायक माहेश्वरी के हाथों मिली कई सौगातें

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी के करकमलों से बुधवार को राजसमंद को कई सौगातें मिली। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत भीलवाड़ा होते हुए राजसमंद पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत घाटी के नवीन भवन का लोकार्पण करने पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उनके स्वागत के लिए उपस्थित थे। रावत ने पंचायत भवन पहुंचकर विधायक दीप्ति माहेश्वरी के साथ फीता काट कर नवीन भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने पंचायत भवन का अवलोकन कर कहा कि यहाँ आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का समय पर समाधान हो। पंचायत भवन के निकट ही आयोजित जन सभा को उन्होंने संबोधित किया।

मंत्री रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की कमान संभालने के बाद से ही प्रत्येक गाँव में अंतिम व्यक्ति के कल्याण की दिशा में कदम उठाए हैं। बजट घोषणा 2024-25 में 150 करोड़ रुपए की लागत से राजसमन्द बांध मे जल की आवक में अभिवृद्धि करने हेतु खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत हुए हैं जिससे आने वाले समय में इस क्षेत्र के बड़े हिस्से को राहत मिलने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए विधायक दीप्ति माहेश्वरी के प्रयास सराहनीय रहे हैं और वे बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा कि विधायक माहेश्वरी अपने क्षेत्र के लिए सदैव संघर्षशील रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक आयोजित 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' में भी उल्लेखनीय कार्य किए गए जिनमें जल स्रोतों में सफाई, मरम्मत आदि कार्य हुए है। ये जल संरक्षण के कार्य हमें सदैव ही प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि राजसमंद जिला इस अभियान में अग्रणी रहा है। वर्षा जल को संरक्षित करने के लिए हर व्यक्ति प्रयास करे।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि वे राजसमंद को 150 करोड़ रुपए की लागत से खारी फीडर की प्रवाह क्षमता को बढ़ाने के लिए शेष रहे जीर्णोद्धार तथा आवश्यक मरम्मत कार्य स्वीकृत करने हेतु मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की आभारी हैं। ये कार्य होने से किसानों को पर्याप्त पानी मिल सकेगा एवं पानी के वेस्टेज में भी कमी आएगी। सरकार ने कुँवारिया कस्बे को सीएचसी की सौगात दी है जिससे यहाँ मरीजों को भी लाभ मिलेगा। साथ ही जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल का सपना भी साकार किया जा रहा है।

**धोइंदा तलाई का सौंदर्यीकरण कार्य का किया शिलान्यास:**

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत यहाँ से प्रस्थान कर सीधे नगर परिषद राजसमंद क्षेत्र के धोइन्दा पहुंचे एवं धोइंदा तालाब के पुनरुद्धार कार्यों का शुभारम्भ किया। यहाँ भी उन्होंने जनकल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यों के तहत तालाब की डी-वॉटरिंग कर गहरीकरण करेंगे, रिंग रोड की मिसिंग लिंक का निर्माण करेंगे तथा तालाब के मध्य एक खूबसूरत आइलैंड का निर्माण किया जाएगा। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि धोइंदा तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य होने के पश्चात यह एक शानदार पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होगा जिसका लाभ बड़ी संख्या में स्थानीय जनता को मिलेगा। कार्यक्रम में समाजसेवी,अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय जन मौजूद थे। अंत में कमला नेहरू हॉस्पिटल के बाहर कन्या सुरक्षा सर्कल का लोकार्पण किया।

# दूर हुआ बरसों का अंधियारा... कनेक्शन मिला तो घर हुआ रोशन

## -पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर में विष्णु को मिली राहत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अन्तिम पक्ति में बैठे व्यक्ति को सम्बल प्रदान करने के उद्देश्य से 24 जून से 9 जुलाई तक संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा आमजन के लिए राहत भरी सौगात लेकर आया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शिविर में आमजन के विभिन्न प्रकार की परिवेदनाओं का निस्तारण मौके पर ही किया जा रहा है।

इसी की एक बानगी देखने को मिली जयपुर के फागी तहसील के ग्राम पंचायत चकवाड़ा में जहां आयोजित शिविर में परिवादी विष्णु प्रकाश शर्मा ने घर में विद्त कनेक्शन न होने का परिवाद दिया। फरियाद पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संवेदनशील उपखण्ड अधिकारी फागी राकेश कुमार ने तत्काल विद्त विभाग के कनिष्ठ अभियन्ता अनिल मीणा को टीम के साथ परिवादी के घर भेजा।

आदेशों की अनुपालना में विद्त विभाग की टीम परिवादी के घर पहुची और परिवाद सही पाए जाने पर तत्काल नया विद्त कनेक्शन जारी कर समस्या का निस्तारण किया गया। परिवादी द्वारा 24 जून को परिवाद के दिन ही विद्त कनेक्शन जारी होने से घर रोशन होने गर्मी से निजात मिलने पर राज्य के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े के आयोजन जैसे नवाचार पर हृदय से आभार व्यक्त किया है।

### आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | | **पानी के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 | जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| वॉट्सएप्प नंबर | 9414037085 | फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| कस्टमर केयर | 2203000 | **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| आईवीआरएस | 1912 | एंबुलेंस | 102/108 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | | एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| ग्रेटर | 2747400 | महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 | जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| हेरिटेज | 2607500 | SDMH | 22574189 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 | SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | | कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 | **घायल पशुओं के लिए** | |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 | नगर निगम | 2747400 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 | वर्ड बाइक | 9887345580 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 | हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 | जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 | पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# कलेक्ट्रेट परिसर के दौरे पर निकले जिला कलक्टर

## -विभिन्न अनुभागों की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया

**शब्बीर हुसैन**

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर पीयूष समारिया बुधवार प्रातः कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं अनुभागों के दौरे पर निकले। समारिया ने विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों से वहां की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

जिला कलक्टर ने टैगोर हॉल स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष में जाकर शिकायत रजिस्टर देखा। कंट्रोल रूम में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से उन्होंने पूछा कि आपदा से संबंधित सूचना आने पर क्या रेस्पॉन्स होता है? कर्मचारियों ने बताया कि इसकी सूचना तुरंत आपदा नियंत्रण कक्ष, नगर निगम स्थित कंट्रोल रूम एवं संबंधित अधिकारियों को दी जाती है। इसके अलावा सूचना रजिस्टर में दर्ज की जाती है। कलेक्टर टैगोर हॉल स्थित परीक्षा नियंत्रण कक्ष पहुंचे और वहां मौजूद स्टाफ से परीक्षाओं की तैयारियों के बारे में पूछा। कक्ष में मौजूद स्टाफ ने उन्हें परीक्षाओं के दौरान कंट्रोल रूम की भूमिका के बारे में जानकारी दी। समारिया कलेक्ट्रेट परिसर स्थित डीएसओ ऑफिस पहुंचे और जिला रसद अधिकारी से खाद्य सुरक्षा में नाम जुड़वाने के लिए आने वाले आवेदनों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने आधार सीडिंग के बारे में भी पूछा। जिला कलक्टर ने कलेक्ट्रेट स्थित विधि अनुभाग, एनआईसी ऑफिस, एसीएम कार्यालय, निर्वाचन अनुभाग, एडीएम सिटी कार्यालय, रीडर सेक्शन, प्रस्थापना, राजस्व अनुभाग सहित विभिन्न अनुभागों का दौरा किया और वहां की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। जिला कलक्टर ने जिला कोष कार्यालय जाकर स्ट्रॉन्ग रूम एवं परीक्षाओं के पेपर रखने की व्यवस्थाओं के बारे में पूछा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के वीसी रूम जाकर उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा एवं कलेक्ट्रेट में प्रतिमाह होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई के बारे में जानकारी ली। दौरे में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी, एडीएम सिटी अनिल सिंघल एवं अन्य अधिकारी साथ रहे।

# कांग्रेस के ब्लॉक, मंडल, इकाई अध्यक्षों की बैठक संपन्न

**शादाब अली**

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार खंडार विधानसभा एवं सवाई माधोपुर विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष इकाई अध्यक्षों की बैठक सिविल लाइन सवाई माधोपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर सवाई माधोपुर विधानसभा प्रभारी शंकर बाजडोलिया के मुख्य अतिथि एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर के अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें खंडार ब्लॉक अध्यक्ष युगराज चौधरी चौथ का बरवाड़ा ब्लॉक अध्यक्ष विमल कुमार मीणा सवाई माधोपुर नगर अध्यक्ष मोहन मंगल जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बसंती लाल सैनी जिला सचिव रामजीलाल गुर्जर मीडिया प्रभारी अजय शर्मा कार्यालय प्रभारी संजय गौतम समस्त दोनों विधानसभाओं के मंडल अध्यक्ष गजानद बैरवा हुकम सिंह चौधर जगमोहन मीणा मंडल अध्यक्ष रामजीलाल गुर्जर नगर अध्यक्ष

खंडार राजेश बेरवा मंडल अध्यक्ष पाली रामेश्वर सिंह मंडल अध्यक्ष फलोदी रवाजना डूंगर मंडल अध्यक्ष चतुर लाल मीणा शिवाड मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जैन खिरनी मंडल अध्यक्ष प्यार सिंह गुर्जर मलारना स्टेशन मंडल अध्यक्ष राम प्रसाद गुर्जर चकेरी मंडल अध्यक्ष हरि सिंह गुर्जर सूरवाल मंडल अध्यक्ष शेख इसरार भगवतगढ़ मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी मंडल अध्यक्ष दीनदयाल वर्मा राजेश कवरिया लक्ष्मी बेरवा लक्ष्मीकांत मीणा गुरु वचन सिंह बाल्मीकि सुरेंद्र नाटाणी रईस भाई बाबू खान ईसरदा मोहम्मद रफी कुलदीप सिंह राजावत विशाल कुमार शर्मा हीरालाल बैरवा बत्ती लाल मीणा सद्दाम हुसैन कद्स खान हीरालाल बैरवा सद्दाम हुसैन घनश्याम बैरवा कजोड़ मल पूर्वीया शिवचरण कुशवाहा आत्माराम मीणा राजेश बेरवा जमनालाल मीना इकाई अध्यक्ष उपस्थित रहे सभी को 3 दिन के अंदर बूथ स्तर तक कार्यकारिणी बनाकर और फॉर्म भरकर जिला कार्यालय में जमा कराने निर्देश प्रभारी दिए गए।

# स्कूटी वितरण के लिए छात्रसंघ ने दिया ज्ञापन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा 2022-2023 की स्कूटियाँ जिन छात्राओं का नाम लिस्ट में आने के बाद काफी लंबे समय से नहीं दी गई है। कॉलेज के एक बंद कमरे में कबाड़ की तरह पड़ी है छात्राओं को वह स्कूटियां जल्द से जल्द दिलवाने की मांग को लेकर छात्रसंघ उपाध्यक्ष असगर खत्री के नेतृत्व में जिला कलेक्टर के मार्फत उच्च शिक्षा मंत्री महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा गया । इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष नरेंद्र सिंह , एनएसयूआई प्रदेश महासचिव, राजेंद्र सिंह जाखोड़ा, अर्जुन सिसोदिया, विकास राठौड़, राकेश देवासी, योगेश खोरवाल, सुब्हान संजरी, भास्कर शर्मा, शुभम निंजा, नरेश चौधरी, प्रमोद गर्ग, शक्ति सिंह जाखोड़ा, ऋतिक सोनी, विनोद चावला, हेमलता मालवीय, इकरा गौरी, कायनात, हर्षिता, पूजा, आफरीन सहित कई छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

# झारिया की बेटी रुखसार नीट में चयनित, ऑल इंडिया रैंक 16019

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू/झारिया, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव झारिया की बेटी रुखसार बानो पिता युसूफ खान आलमाण ने नीट परीक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त किया है। आपके 542 नम्बर और ऑल इंडिया रैंक 16019 आई है। आपकी प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल झारिया से हुई उसके बाद 2 वर्ष चूरू में शिक्षा प्राप्त की फिर नीट की तैयारी के लिए सीकर एडमिशन लिया। आपका 10 वीं और 12वीं में बेहतर रिजल्ट रहा उसी के आधार पर सीकर में अपनी तैयारी कर नीट में बेहतरीन परिणाम दिया। गांव के ही शौकत खान रिटायर्ड कमिश्नर ने बताया कि आप एक साधारण परिवार से आतीं हैं। आपके पिताजी विदेश रहते हैं। माता मदीना बानो ग्रहणी है। एक भाई है वह भी विदेश गया हुआ है। और चार बहने हैं। इनसे बड़ी बहन है वह पढ़ाई कर रही हैं और टीचर की तैयारी

सीकर में कर रही हैं । रुखसार सबसे छोटी है पढ़ाई में होशियार है आगे जाकर चिकित्सा क्षेत्र में विशेषज्ञ बनकर समाज में सेवाएं देना चाहती है। गांव के ही स्कूल प्रिंसिपल मुराद खान ने बताया कि बच्ची शुरू से ही पढ़ने में होशियार रही है और कुछ बनना चाहती है। स्कूल परिणाम भी अच्छे रहे हैं। नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड आबकारी अधिकारी ने बच्ची को मोटिवेशन किया और उज्जवल भविष्य की कामना की बच्ची ने बताया कि जब मैं सीकर गई नीट की तैयारी करने के लिए तो शुरू में मुझे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन मैं लग्न के साथ पढ़ाई करती रही मुझे माता-पिता और टीचर्स का काफी सहयोग मिला उसी का परिणाम है कि मैं आज नीट में सेलेक्ट हुई । आगे जाकर मैं चिकित्सा क्षेत्र में बेहतरीन सेवाएं देना चाहती हूं। मैं ग्रामीण अंचल से आती हूं। गांव के हाकम अली खा आलमाण, भवरु खान, मांगू खां, नजीर खां, लतीफ खान आदि उपस्थित रहे उन्होंने बताया कि रुखसार के दादा फुलेखा वर्ल्ड वॉर में भारत की तरफ से लड़े थे और आप स्वतंत्रता सेनानी भी रहे।

# आपातकाल के बारे में सोचकर आमजन की अब भी रुह कांप जाती है - कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जिला सवाई माधोपुर द्वारा आपातकाल दिवस एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को लेकर संयुक्त संगोष्ठी आयोजित की गई। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मुख्य वक्ता के रूप में महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा उपस्थित रही, वही कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने की। कार्यक्रम में पूर्व विधायक हंसराज शर्मा, विधायक प्रत्याशी राजेंद्र मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंगलाल जाट, प्रेमप्रकाश शर्मा, डॉ. भरतलाल मथुरिया, सुरेश जैन, पंचायत समिति प्रधान कृष्ण पोसवाल, मंजू गुर्जर, शशिकला मीणा, नगर सभापति शिवरतन अग्रवाल मंचासीन रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मिशबंदियों का शोल ओढ़कर एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की

अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने कार्यक्रम का प्रस्तावना और स्वागत भाषण में आपातकाल विरोधी दिवस एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान के बारे में जानकारी दी। महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान के बारे में बताते हुए कहा कि 23 जून की तारीख भाजपा नेताओं के लिए दुखदाई है इस दिन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हुआ था। उस समय सत्ता से प्यार करने वाले लोगों ने राष्ट्रभक्तों के साथ अन्याय किया था शिक्षक के रूप में जाने वाले श्यामा प्रसाद मुखर्जी बैरिस्टर तक बने पर कांग्रेस में रहते हुए उनको कांग्रेस की विचारधारा उन्हें पसंद नहीं आई ,और उन्होंने कांग्रेस से स्थापित दे दिया और एमएलसी चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़कर जीते। उन्होंने जिन्ना की नीतियों का हमेशा विरोध किया उनके लिए राष्ट्रीय सर्वोपरि था। उनका नारा था देश में दो निशान, दो विधान, नहीं चलेंगे। जनसंघ की स्थापना करने वाले तीन लोगों में से एक श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी थे। उन्होंने 370 धारा कश्मीर से हटाना उनका प्रमुख एजेंडा था। जून का महीना भाजपा काला दिवस में के रूप में मनाते हैं ।

# जोधपुर में होगा राज्य स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह

## - नवाचार और जनसहभागिता के साथ आयोजन को बनाये भव्य और यादगार

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि जोधपुरवासियों और प्रशासन के लिए यह हर्ष और गौरव का विषय है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस राज्य स्तरीय समारोह जोधपुर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य स्तरीय समारोह को ज़्यादा से ज़्यादा जनभागीदारी और नवाचार के साथ भव्य और यादगार बनाएं। इसके लिए सभी संबंधित विभाग जोधपुर जिला प्रशासन के साथ समन्वय से कार्य कर तैयारियों को पूर्ण करें। मुख्य सचिव मंगलवार को शासन सचिवालय में जोधपुर में प्रस्तावित स्वाधीनता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने आयोजन को भव्य, आकर्षक और एतिहासिक बनाने के लिए गृह, सार्वजनिक निर्माण, शिक्षा, सूचना एवं जनसम्पर्क सहित अन्य संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां आवंटित कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने समारोह में पुलिस बैण्ड की प्रस्तुति, मार्च पास्ट, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का समावेश करने के साथ राजकीय भवनों एवं सार्वजनिक स्थलों पर रोशनी, आतिशबाजी, आयोजन स्थल से लेकर मुख्य सड़कों की मरम्मत आदि के निर्देश दिए। इसके साथ ही जयपुर में होने वाले एट होम कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर उसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाए। मुख्य सचिव ने जोधपुर संभागीय आयुक्त,आईजी और जिला कलेक्टर से समारोह स्थल के चयन, पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, परेड व्यवस्था, परेड टुकड़ियो की संख्या, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों सहित समारोह के आयोजन की सभी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने समारोह में विद्यार्थियों, लोक कलाकारों एवं आमजन की अधिकाधिक भागीदारी पर जोर दिया।

जोधपुर संभागीय आयुक्त और जिला कलेक्टर ने अवगत कराया कि आयोजन के सम्बन्ध में तैयारियां जोर शोर से की जा रही हैं। लम्बे समय के बाद जोधपुर में हो रहें स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह को लेकर जोधपुर वासियों में बहुत उत्साह है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरडा, पुलिस महानिदेशक (आर्म्ड बटालियन) आनन्द कुमार श्रीवास्तव, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) विशाल बंसल, शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग जोगाराम, अतिरिक्त निदेशक सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग अरविन्द सारस्वत सहित उच्च स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें। इसके साथ ही जोधपुर संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जोधपुर पुलिस महानिरिक्षक विकास कुमार, जोधपुर जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल भी वीसी से जुड़े।

# रवन वृहद् सिंचाई परियोजना- झालावाड़ और बारां के 27 गांवों के प्रभावितों को मिलेगा 36.97 करोड़ रुपये का मुआवजा

## -जल संसाधन मंत्री की संवेदनशीलता और त्वरित पहल का सफल परिणाम

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। परवन वृहद् सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत डूब क्षेत्र में आने वाले झालावाड़ और बारां जिलों के 27 ग्रामों के शेष मकानों के लिए 36.97 करोड़ रुपये की विशेष अनुदान राशि स्वीकृत हुई है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत की संवेदनशीलता और त्वरित पहल से वित्त विभाग से स्वीकृति मिली है। अब शीघ्र ही प्रभावित परिवारों को मुआवजा राशि उपलब्ध हो सकेगी। परियोजना के तहत पहले से ही झालावाड़ और बारां के 47 ग्रामों की डूब प्रभावित भूमि और 29 ग्रामों के आंशिक व पूर्ण डूब प्रभावित मकानों के लिए मुआवजा दिया जा रहा है। हालांकि, इस दौरान राजकीय भूमि (चारागाह, सिवायचक, वन भूमि) पर बने मकानों को मुआवजे के लिए शामिल नहीं किया था। इनमें झालावाड़ की तहसील खानपुर और अकलेरा के 17 तथा बारां की तहसील छीपाबड़ौद के 10 गांव शामिल हैं। अब इनके 1090 मकानों के लिए भी मुआवजा दिया जाएगा।

**-जल संसाधन मंत्री के विशेष प्रयास**

जल संसाधन मंत्री ने 22 और 23 अप्रैल, 2025 को परवन बांध निरीक्षण के दौरान प्रभावितों से मुलाकात कर समस्या को गंभीरता से सुना। इसके बाद रावत ने विभागीय अधिकारियों को राजकीय भूमि पर स्थित मकानों/परिसम्पत्तियों के लिए विशेष राशि के रुप में मुआवजे का प्रस्ताव तैयार राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए थे। रावत की संवेदनशीलता और त्वरित पहल का ही परिणाम रहा कि वित्त विभाग से मंजूरी प्राप्त हुई है।

**- परियोजना के कार्यों को मिलेगी गति**

मुआवजा राशि मिलने से प्रभावित परिवारों को राहत मिलेगी। साथ ही, परवन परियोजना के शेष निर्माण कार्यों में भी गति आएगी। उल्लेखनीय है कि परियोजना में 571 ग्रामों की 2.0 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा। साथ ही, 1402 ग्रामों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि 'हाड़ौती के लिए महत्त्वपूर्ण महत्त्वाकांक्षी परियोजना के डूब क्षेत्र के प्रभावितों को न्याय और सम्मानजनक मुआवजा मिलेगा। इससे परियोजना के कार्यों में तेजी आएगी और निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण हो सकेगा।

# मानसून में बीमारियों का खतरा: सावधानी ही सुरक्षा की कुंजी -डॉ.सुमीत गर्ग

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानसून का मौसम वर्षा की शीतलता और हरियाली के साथ एक नई ऊर्जा लेकर आता है, लेकिन यह मौसम अपने साथ कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं भी लाता है, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। बारिश के कारण उत्पन्न गंदगी, जलभराव और नमी के वातावरण में रोगाणु तेजी से पनपते हैं, जिससे अनेक प्रकार के संक्रामक रोग फैलते हैं। सबसे आम बीमारियों में डेंगू और मलेरिया शामिल हैं, जो मच्छरों से फैलते हैं। डेंगू वायरस से संक्रमित एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से होता है, जो प्रायः दिन में काटता है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, आंखों के पीछे दर्द, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, शरीर पर चकत्ते और प्लेटलेट्स की कमी प्रमुख हैं। वहीं मलेरिया एनॉफिलीज़ मच्छर के माध्यम से फैलता है और इसके लक्षणों में ठंड लगकर बुखार चढ़ना, पसीना आना, कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं। इन दोनों बीमारियों में समय पर निदान और इलाज अत्यंत आवश्यक होता है।

मानसून के दौरान दूषित पानी और भोजन के सेवन से टाइफाइड, हैजा और हेपेटाइटिस-A व E जैसी जलजनित बीमारियों के मामले भी बढ़ जाते हैं। टाइफाइड में लंबे समय तक बना रहने वाला बुखार, भूख न लगना, पेट दर्द, दस्त या कब्ज, और कमजोरी देखी जाती है। हैजा में रोगी को बार-बार पानी जैसा पतला दस्त उल्टी के साथ आता है, जिससे शरीर में अत्यधिक पानी और नमक की कमी हो जाती है, और अगर समय पर इलाज न हो तो यह जानलेवा भी हो सकता है।

हेपेटाइटिस-A और E दोनों वायरस जनित यकृत (लीवर) रोग हैं, जो दूषित भोजन या पानी के सेवन से फैलते हैं। इनका संक्रमण मानसून में अधिक देखा जाता है क्योंकि इस समय खाद्य पदार्थ जल्दी खराब होते हैं और पेयजल की गुणवत्ता में गिरावट आती है। हेपेटाइटिस-A/E के लक्षणों में बुखार, उल्टी, मिचली, भूख में कमी, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), पेट में दर्द और गहरे रंग का मूत्र शामिल हैं। अधिकांश मामलों में यह संक्रमण अपने आप ठीक हो जाता है, लेकिन सही खानपान और आराम की आवश्यकता होती है।

मानसून के मौसम में वायरल फीवर भी आम है, जिसमें गले में खराश, नाक बहना, खांसी, हल्का बुखार और बदन दर्द होता है। यह आमतौर पर 3–5 दिनों में ठीक हो जाता है लेकिन कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों, में इसके जटिल रूप देखे जा सकते हैं। बारिश में भीगना, गीले कपड़े देर तक पहने रहना और ठंडे वातावरण में ज्यादा समय बिताना इन लक्षणों को और बढ़ा सकता है।

इस मौसम में त्वचा संबंधी फंगल संक्रमणों की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। लगातार नमी और पसीना फंगस के विकास को प्रोत्साहित करता है, जिससे दाद, खाज, खुजली और एथलीट फुट जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। विशेषकर वे लोग जो सिंथेटिक कपड़े पहनते हैं, बंद जूते पहनते हैं या जिन्हें अधिक पसीना आता है, उन्हें इन संक्रमणों से अधिक खतरा होता है।

बचाव के लिए सबसे आवश्यक है कि लोग अपनी जीवनशैली में थोड़े बदलाव करें और व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दें। पानी उबालकर या शुद्ध करके पिएं। बाजार के खुले भोजन और बासी खाद्य पदार्थों से परहेज करें। बारिश में भीगने पर तुरंत सूखे कपड़े पहनें और यदि संभव हो तो नहाएं। पसीने या गीलेपन से त्वचा को जितना हो सके सूखा रखें। मच्छरों से बचाव के लिए पूरी आस्तीन के कपड़ेए पहनें, मच्छरदानी या मच्छर-रोधी क्रीम का प्रयोग करें और घर के आसपास पानी जमा न होने दें।

बुखार, दस्त, पीलिया, उल्टी, त्वचा पर चकत्ते, कमजोरी या अन्य कोई लक्षण यदि 24 घंटे से अधिक बने रहें तो बिना देरी किए चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। कभी-कभी हल्के लगने वाले लक्षण गंभीर रोग के संकेत हो सकते हैं। अपनी मर्जी से दवा न लें और किसी भी तरह की घरेलू चिकित्सा को प्राथमिक उपचार मानें, इलाज नहीं। डेंगू या मलेरिया के मामलों में नियमित रूप से प्लेटलेट्स और ब्लड काउंट की जांच अत्यंत जरूरी है, ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले उपचार शुरू किया जा सके। किसी भी लक्षण पर चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें।

# राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार और अनैतिक गतिविधियों को लेकर NSUI पाली ने किया विरोध प्रदर्शन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय बागड़ महाविद्यालय प्राचार्य के खिलाफ पाली जिला nsui के तत्वाधान में विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया गया कि प्राचार्य महेंद्र सिंह द्वारा एक नियमित छात्रा को पिछले 1 साल से भुगतान किया जा रहा है। वहीं नियमित छात्रा को सरकारी भर्ती में प्रति परीक्षा में ड्यूटी पर लगाया गया तथा BBA के तहत भी एक फैकल्टी को दो माह का भुक्तान किया गया एव प्राचार्य ने अपने निजी रिश्तेदारों को संस्था विकास कोष समिति के तहत बिना किसी भर्ती प्रक्रिया के तहत नौकरी देकर भुगतान किया गया एवं किसी संगठन जिला स्तरीय बैठक महाविद्यालय स्मार्ट क्लास रुम में करवाकर स्वयं उपस्थित रहे जो राजकीय राजकीय कर्मचारी नियम के विरूद्ध है और प्राचार्य रूम के मुख्य द्वार पर पिछले साल से ब्लैक फिल्म लगा रखी है।

छात्रसंघ अध्यक्ष नरेंद्र सिंह बताया कि सभी मुद्दों को लेकर आज हमने जिला कलेक्टर पाली को ज्ञापन सौंपा कार्रवाई करने की मांग की एवं कारवाई नही हुई तो NSUI सड़कों पर उतरेगी व भूख हड़ताल कर प्रदर्शन करेगी विरोध प्रदर्शन में nsui प्रदेश महासचिव राजेंद्र जाखोड़ा पूर्व प्रदेश सचिव, अर्जुन सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष राकेश देवासी, कॉलेज उपाध्यक्ष असगर खत्री, सचिव योगेश खारवाल, विकास राठोर, सुबहान संजरी, नरेश चौधरी, हेमलता, हर्षिता, कायनात, भास्कर शर्मा, शुभम निंजा, प्रमोद गर्ग, शक्ति सिंह जाखोड़ा, इकरा, गौरी, पूजा, आफरीन सहित बड़ी संख्या में nsui कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# आपातकाल के 50वर्ष पूर्ण होने पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान समारोह आयोजित

सवाई माधोपुर(रॉयल पत्रिका)। आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार लोकतंत्र रक्षकों के सम्मान में बुधवार को रणथम्भौर मैरिज गार्डन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के लोकतंत्र सेनानियों को ससम्मान स्मृति चिन्ह एवं राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित लोकतंत्र सेनानियों के अनुभवों की संकलन पुस्तिका भेंट की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पश्चात लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौर में अपने संघर्षपूर्ण अनुभव साझा करते हुए उपस्थित जनसमूह, विशेषकर युवाओं से लोकतंत्र की रक्षा हेतु सदैव सजग रहने का आह्वान किया।

जिला कलेक्टर कानाराम ने लोकतंत्र सेनानियों को शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पहार अर्पित कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, "यह अवसर उन वीर सेनानियों को नमन करने का है, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र के सबसे कठिन कालखंड में अपनी निडरता और प्रतिबद्धता से संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि लोकतंत्र सेनानियों को यदि भविष्य में कभी किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो, तो जिला प्रशासन हर संभव सहयोग हेतु सदैव तत्पर रहेगा।

कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी मोतीलाल जाट, बजरंगलाल जाट, योगेन्द्र प्रसाद, गिर्राजकिशोर शर्मा, डॉ. भरतलाल मथुरिया, बद्रीलाल शर्मा, बाबूलाल गुप्ता, युगलबिहारी शर्मा, प्रहलाद मथुरिया, मोहनलाल शर्मा, हरीशकुमार शर्मा, द्रोपदी देवी, सुशीला देवी सहित अन्य सेनानियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

## अब रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में भी काम करेगी नवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार में हाल ही में प्रवेश करने वाली कंपनी एनवायरो इंफ्रा इंजीनियर्स के शेयरों में आज मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर आज 12 प्रतिशत तक उछल गए और 3 सप्ताह के उच्चतम स्तर 235 प्रति शेयर पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक ऐलान है।

दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसने 306.30 करोड़ की घरेलू परियोजनाएं हासिल की हैं, जिससे निवेशकों की धारणा में सकारात्मक बदलाव आया है।

### क्या है डिटेल

आज एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि उसने छत्तीसगढ़ के विभिन्न नगर निगमों से 15 साल के संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कॉन्ट्रैक्ट जीते हैं। इनमें अंबिकापुर नगर निगम से 16, 14 और 2 एमएलडी एसटीपी, राजनांदगांव से 15 और 26 एमएलडी एसटीपी और कोरबा से 33 एमएलडी एसटीपी शामिल हैं। बता दें कि कंपनी सरकारी अधिकारियों और निकायों के लिए जल और वेस्ट जल उपचार प्लांट्स और जल आपूर्ति योजना परियोजनाओं के डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव के व्यवसाय में सक्रिय है।

**रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में भी कॉन्ट्रैक्ट-** एक अन्य फाइलिंग में कंपनी ने 69 मेगावाट (एसी) की संयुक्त क्षमता वाली दो प्रमुख सोलर एनर्जी परियोजनाओं का अधिग्रहण करके रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अपने आधिकारिक प्रवेश की भी घोषणा की। इसने ओडिशा के बोलनगीर जिले में 40 मेगावाट की ग्रिड से जुड़ी सौर परियोजना के लिए वेंटो पावर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण किया, जहां लगभग 18 वर्षों तक बिजली 4.10 प्रति यूनिट पर बेची जाएगी।

## टाटा की एक और कंपनी का आईपीओ, मिल गई मंजूरी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कैपिटल लिमिटेड को अपने आईपीओ प्लान के साथ आगे बढ़ने के लिए बाजार नियामक संस्था सेबी की मंजूरी मिल गई है। टाटा कैपिटल का आईपीओ करीब 2 अरब डॉलर का हो सकता है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह बात इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से कही गई है। टाटा कैपिटल लिमिटेड का

आईपीओ इस साल की सबसे बड़ी लिस्टिंग भी हो सकती है।

**अगस्त में आ सकता है टाटा कैपिटल का आईपीओ-** मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, बाजार नियामक संस्था सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने इस संबंध कंपनी और इसके बैंकर्स को सूचित कर दिया है। टाटा ग्रुप की यह नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी अगस्त की शुरुआत में शेयर सेल लॉन्च करना चाहती है। फिलहाल, इस मामले में टाटा कैपिटल और सेबी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि टाटा ग्रुप अपनी इस यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर तक का वैल्यूएशन चाहता है।

# वोडाफोन आइडिया को दिवालिया होने से बचाएगी सरकार! शेयर पर टूटे निवेशक

**नईदिल्ली, एजेंसी।** वोडाफोन आइडिया के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। कंपनी के शेयर आज 7 प्रतिशत तक चढ़ गए और 7.01 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक खबर है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि केंद्र सरकार इस दूरसंचार दिग्गज को रेगुलेटरी बकाये पर महत्वपूर्ण राहत देने पर विचार कर रही है। बता दें कि पिछले एक साल में वोडाफोन आइडिया के शेयरों में करीब 60 प्रतिशत की गिरावट आई है और 2025 में अब तक 13 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

**क्या है डिटेल-** दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत का दूरसंचार क्षेत्र मोनोपोली को बर्दाश्त नहीं कर सकता और सरकार सभी क्षेत्रों में कॉम्पिटिशन का समर्थन करती है। इस बयान के बाद कंपनी के शेयर को लेकर पॉजिटिव सेंटिमेंट और बढ़ गई। बता दें कि केंद्र सरकार वोडाफोन आइडिया की सबसे बड़ी इक्विटी मालिक है। सरकार इस चिंता के बीच कि दूरसंचार ऑपरेटर दिवालिया हो जाएगा, 84,000 करोड़ रुपये के बकाया विनियामक बकाया पर राहत प्रदान करने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है। बता दें कि इससे पहले वोडाफोन आइडिया ने कथित तौर पर सरकार को आगाह किया था कि वह उसके समर्थन के बिना वित्त वर्ष 26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी और उसे दिवालिया होना पड़ सकता है।

**सरकार की योजना-** ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र कई विकल्पों पर विचार कर रहा है, जो संभावित रूप से कर्ज में डूबी कंपनी को दिवालिया होने से बचा सकते हैं। इनमें मौजूदा 6 वर्षों से पुनर्भुगतान अवधि को बढ़ाकर 20 वर्ष करना और साथ ही बकाया राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज के बजाय साधारण ब्याज लगाना शामिल है। मामले से परिचित लोगों ने ईटी को बताया कि एक अन्य विकल्प यह है कि व्यापक समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मुद्दे पर अंतिम निर्णय लिए जाने तक बकाया राशि के आंशिक भुगतान के लिए सालाना 1,000-1,500 करोड़ रुपये की टोकन राशि ली जाए। रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यह राहत कई विकल्पों में से एक हो सकती है या कई विकल्पों का संयोजन हो सकता है।

### एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग को मिला 118 करोड़ रुपये का काम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** शेयर बाजार में एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी को 118 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को महाराष्ट्र से मिला है। बता दें, इससे पहले पीएफसी कंसल्टिंग लिमिटेड से कंपनी को काम मिला था। कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर डीटेल्स की जानकारी 11 जून को एक्सचेंज के साथ साझा किया था। बीएसई में यह स्टॉक 1049 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 4.80 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 1066 रुपये (सुबह 9.49 बजे तक) के लेवल पर पहुंच गया था।

**2018 से डिविडेंड दे रही है कंपनी-** एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर 31 अगस्त 2018 को एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.50 रुपये का डिविडेंड दिया था। वहीं, उसके बाद कंपनी ने 2019 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। आखिरी बार कंपनी 2024 में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। कंपनी ने एक शेयर पर 1.50 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को दिया था।

**शेयर बाजार में कठिन रहा है निवेशकों के लिए बीता एक साल-** 2025 में यह स्टॉक 29.44 प्रतिशत की गिरा है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 41 प्रतिशत टूट चुका है। कंपनी का 52 वीक हाई 1880 रुपये और 52 वीक लो लेवल 921.05 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी का मार्केट कैप 6846.55 करोड़ रुपये का है। 2 साल में एचजी इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयरों का भाव 23 प्रतिशत और 5 साल में यह स्टॉक 463 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी की शेयरहोल्डिंग के अनुसार मार्च तिमाही तक प्रमोटर्स के पास 71.78 प्रतिशत हिस्सा था। वहीं, पब्लिक के पास 28.22 प्रतिशत हिस्सा था।

# अमेज़न के साथ होम एसेंशियल्स का सफ़र

### होम एसेंशियल्स अमेज़न के साथ भारतीय घरों को बेहतर बना रहा है

**मुंबई, एजेंसी।** होम एसेंशियल्स की शुरुआत एक मामूली समझ से हुई कि घर और रसोई की जरूरी चीजें उबाऊ, पुरानी या सिर्फ काम की क्यों होनी चाहिए संस्थापकों को बाजार में एक कमी दिखी कि पारंपरिक ब्रांडों में आधुनिक सौंदर्य और व्यावहारिक खूबसूरती की कमी थी, जो आज के भारतीय उपभोक्ता चाहते हैं। इस कमी को पूरा करने और रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने अमेजन पर होमएसेंशियल्स लॉन्च किया।

डिजिटल-फर्स्ट (डिजिटल प्रक्रिया पर केंद्रित) पर आधारित एक एमएसएमई के रूप में, होमएसेंशियल्स भारतीय घरों के रोजमर्रा की चीजों को नया स्वरूप प्रदान कर रहा है। इस एमएसएमई दिवस के मौके पर, उनकी कहानी इस बात का प्रमाण है कि अमेजन जैसे डिजिटल मार्केटप्लेस किस तरह आधुनिक व्यवसायों को बढ़ाने, प्रतिस्पर्धा करने और रोजमर्रा की जिंदगी में नया रंग भरने में मदद कर रहे हैं। शुरू से ही, होमएसेंशियल्स सिर्फ उत्पाद लॉन्च नहीं करना चाहता था, इसकी शुरुआत एक जज्बे के साथ हुई थी। होम एसेंशियल के ग्रोथ मार्केटप्लेस के उपाध्यक्ष, अंशुल अग्रवाल कहते हैं, "हम चाहते हैं कि हमारे ग्राहक हमें गर्मजोशी, स्टाइल और स्मार्ट डिजाइन के साथ जोड़ें। हम जो भी उत्पाद लॉन्च करते हैं, उसका उद्देश्य होता है, जीवन को सरल बनाना और जगहों को सुंदर बनाना।

**अमेजन लॉन्चपैड क्यों बना-** होमएसेंशियल की शुरुआत एक डी2सी वेबसाइट से हुई थी, लेकिन ब्रांड ने अमेजन को वृद्धि के लिए बेहतरीन भागीदार के रूप में देखा, जिसके पास भारी तादाद में भरोसेमंद ग्राहकों तक फ़ौरन पहुंचने की ताकत है। अनुकूलित लिस्टिंग और ब्रांडिंग पर जोर देने की नीति के कारण होम एसेंशियल को शुरुआती गति प्राप्त करने में मदद मिली।

# सी.आर.आई. सोलर को 210 करोड़ रुपयों का मल्टी-स्टेट ऑर्डर

- **सी.आर.आई. सोलर को 210 करोड रुपयों का मल्टी-स्टेट ऑर्डर**

**मुंबई, एजेंसी।** सीआरआई पंप्स का एक प्रमुख प्रभाग औरनवीकरणीय ऊर्जा संचालित जल समाधानों में अग्रणी, सीआरआई सोलरको हाल ही में एक बड़ा ऑर्डर मिला है। उन्हेंमहाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (मेडा), हरियाणा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा), औरपंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा)से कुल6,894 सोलर पंपिंग सिस्टमकी आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य मिला है। इन सभी ऑर्डरों का कुल मूल्य 210 करोड़ है। ये प्रतिष्ठित ऑर्डरभारत के कृषि क्षेत्रों में टिकाऊ सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करनेके एक बड़े प्रयास का हिस्सा हैं। ये साझेदारियाँ इस बात पर जोर देती हैं किसीआरआई, केंद्र और राज्य सरकारों को नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि उत्पादकता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

परियोजना का क्रियान्वयन संबंधित एजेंसी की समय-सीमा के अनुसार शुरू होगा। इसमेंसीआरआई सोलरअपनी व्यापक विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, बड़े पैमाने पर सोलर वाटर पंपिंग परियोजनाओं कोसटीकता और गुणवत्ता आश्वासनके साथ पूरा करेगा।

## ईवी कंपनी सुपरटेक ईवी की पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक की धनराशि जुटाने की योजना

### आईपीओ आज खुलेगा

**चंडीगढ़ (हरियाणा)।** भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में अग्रणी कंपनीओं में से एक और इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स और इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर्स पर ध्यान रख रही सुपरटेक ईवी लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 29.90 करोड तक जुटाने की योजना बना रही है।

कंपनी को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 25 जून, 2025 को सब्सक्रीप्शन के लिए खुलेगा और 27 जून, 2025 को बंद होगा। कॉर्पोरेट मेकर्स कैपिटल लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है। रु. 29.90 करोड का आईपीओ पूरी तरह से रु. 10 के अंकित मूल्य के 32,49,600 इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इश्यू के लिए प्राइज बैंड रु. 87 - 92 प्रति शेयर है। इश्यू से प्राप्त राशि में से कंपनी रु. 16.50 करोड कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए, रु. 3 करोड कंपनीने लिए हुए कुछ उधारों के कुछ हिस्से के पुनर्भुगतान के लिए और शेष सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और इश्यू से संबंधित खर्चों के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है।

आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,200 शेयर है, यानि की रु. 92 प्रति शेयर के अपर प्राइज बैंड पर रु. 1,10,400 का न्यूनतम निवेश करना होगा। इश्यू के लिए रिटेल कोटा 47.51 प्रतिशत, एनआईआई 47.47 प्रतिशत, क्यूआईबी 5.02 प्रतिशत और मार्केट मेकर 5.02 प्रतिशत है।

# नीतू योशी लिमिटेड का आईपीओ 27 जून को खुलेगा

- **कुल इश्यू साइज -1,02,72,000 इक्विटी शेयर (5 अंकित मूल्य प्रत्येक)**
- **आईपीओ साइज -77.04 करोड़ (उच्च प्राइस बैंड पर)**

**मुंबई।** नीतू योशी लिमिटेड (कंपनी, नीतू योशी), जो एक मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग कंपनी है और रेल्वे के लिए आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का निर्माण करती है, अपना प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव शुक्रवार, 27 जून 2025 को खोलने जा रही है। इसका उद्देश्य 77.04 करोड़ (उच्च प्राइस बैंड पर) जुटाना है। यह शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्मपर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 1,02,72,000 इक्विटी शेयरहै, जिनका फेस वैल्यू 5 प्रति शेयर है और मूल्य बैंड 71 से 75 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोगनई विनिर्माण सुविधा की स्थापनाऔरसामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्योंके लिए किया जाएगा। यह इश्यूमंगलवार, 1 जुलाई 2025 को बंद होगा।इस इश्यू केबुक रनिंग लीड मैनेजरहैंहोराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, औररजिस्ट्रारहैंस्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड।

नीतू योशी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी, श्री हिमांशु लोहियाने कहा-यह आईपीओ नीतू योशी की यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। हमारी शुरुआत एक ट्रेडिंग व्यवसाय के रूप में हुई थी, जो भारतीय रेल्वे के ओईएम को विशिष्ट कच्चा माल आपूर्ति करता था। आज, हम एक मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग कंपनी हैं जो महत्वपूर्ण सुरक्षा घटकों का निर्माण करती है। हम आरडीएसओ प्रमाणित क्लास ए विक्रेता हैं और ब्रेकिंग सिस्टम, सस्पेंशन, प्रोपल्शन एड्स और कपलिंग अटैचमेंट्स सहित 25+ आवश्यक रेल्वेस्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति करते हैं।

यह आईपीओ हमें एक उन्नत निर्माण सुविधा स्थापित करने में मदद करेगा, जिससे हम ह्वाई-स्पीड ट्रेनों के लिए पूर्ण बोगियों और कपलर्स का निर्माण कर सकें। इसके माध्यम से, नीतू योशी लिमिटेड विश्वसनीय इंजीनियरिंग और सतत नवाचार के माध्यम से रेल परिवहन के भविष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। होराइजन मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्षश्री मानव गोयनकाने कहा- नीतू योशी लिमिटेड के इस महत्वपूर्ण विकास यात्रा में साझेदारी कर हमें गर्व हो रहा है, क्योंकि वे अपने प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के माध्यम से अगला कदम उठा रहे हैं। एक मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग कंपनी के रूप में, जो भारतीय रेलवे को सेवाएं देती है, नीतू योशी ने महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों के निर्माण में अपनी क्षमताओं का लगातार विस्तार किया है।

भारतीय रेलवे क्षेत्र तीव्र गति से विस्तार और आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्वसनीय और स्वदेशी रूप से निर्मित घटकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। नीतू योशी द्वारा प्रस्तावित उन्नत विनिर्माण अवसंरचना में निवेश उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप एक समयानुकूल कदम है।

# टाटा मोटर्स ने लॉन्च किया ऐस प्रो : भारत का सबसे किफायती 4-व्हील मिनी ट्रक, 3.99 लाख से शुरू

### भारत के नए उद्यमियों को सशक्त करने के लिए कार्गो मोबिलिटी में की नये युग की शुरुआत

**पुणे, एजेंसी।** भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यू टाटा ऐस प्रो को लॉन्च कर कार्गो मोबिलिटी के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। इस लॉन्च के साथ कंपनी ने छोटे कार्गो परिवहन में एक नए युग का आगाज़ किया है। केवल 3.99 लाख की शुरुआती कीमत के साथ, टाटा ऐस प्रो भारत का सबसे किफायती फोर-व्हील मिनी ट्रक है, जो असाधारण दक्षता, शानदार लचीलापन और उत्कृष्ट मूल्य प्रदान करता है।

नए उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया, टाटा ऐस प्रो पेट्रोल, बाय-फ्यूल (सीएनजी + पेट्रोल), और इलेक्ट्रिक वैरिएंट्स में उपलब्ध है। यह ग्राहकों को उनकी

व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए आदर्श समाधान चुनने की सुविधा देता है।

ग्राहक टाटा मोटर्स के देशभर में फैले 1250 वाणिज्यिक वाहन बिक्री केंद्रों या टाटा मोटर्स के ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म, फ्लीट वर्स पर अपने पसंदीदा ऐस प्रो वैरिएंट को बुक कर सकते हैं। टाटा ऐस प्रो के स्वामित्व को सुविधाजनक बनाने के लिए, टाटा मोटर्स ने प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी के साथ साझेदारी की है ताकि लोन की फौरन स्वीकृति, लचीले ईएमआई विकल्प और बेहतर वित्तीय सहायता सहित परेशानी मुक्त फाइनेंसिंग समाधान प्रदान किए जा सकें। यह अलग-अलग तरह के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

ऐस प्रो के लॉन्च पर, टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री गिरीश वाघ ने कहा, टाटा ऐस के लॉन्च ने भारत में कार्गो परिवहन में तहलका मचा दिया था। पिछले 20 सालों में, यह 25 लाख से ज्यादा उद्यमियों को सशक्त बनाकर प्रगति और अवसरों का प्रतीक बन गया है। नए टाटा ऐस प्रो के साथ, हम इस विरासत को नए जोश के साथ और नई पीढ़ी के सपने देखने वालों के लिए आगे ले जा रहे हैं। मजबूती, सुरक्षा और मुनाफे के लिए बनाया गया, ऐस प्रो अधिक कमाई के मौके देता है ताकि महत्वाकांक्षी उद्यमी अपने भविष्य को बेहतर बना सकें।

टाटा ऐस प्रो के बारे में बात करते हुए, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट एवं बिजनेस हेड श्री पिनाकी हल्दर ने कहा, टाटा ऐस प्रो को ग्राहकों की जरूरतों को समझकर बनाया गया है और इसे कई तरह के कामों के लिए तैयार किया गया है। इसे अलग-अलग इलाकों और मौसम में लाखों किलोमीटर तक कठिन परीक्षणों में आजमाया गया है। इसके मल्टी-फ्यूल विकल्प, किफायती कीमत और शानदार ड्राइविंग अनुभव के साथ, ऐस प्रो हर तरह के उपयोग में शानदार मूल्य देता है। यह हमारे उत्पादों में एक महत्वपूर्ण संकलन है, जो उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को भरोसेमंद और भविष्य के लिए तैयार परिवहन समाधान देने की टाटा मोटर्स की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। मध्य प्रदेश, जिसे अपनी केंद्रीय स्थिति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण भारत का दिल कहा जाता है, की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खेती पर आधारित है और इसके ग्रामीण व अर्ध-शहरी इलाकों में ग्राहक कीमत को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। यह राज्य टाटा ऐस प्रो के मल्टी-फ्यूल विकल्पों के लिए एक शानदार बाजार है। मालवा क्षेत्र में, जहां सीएनजी सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं, ऐस प्रो बाय-फ्यूल से ग्राहक ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। बुंदेलखंड, बघेलखंड और विंध्य के पहाड़ी, ऊबड़-खाबड़ और ऐतिहासिक इलाकों के साथ-साथ महाकौशल के उपजाऊ मैदानों में पेट्रोल वैरिएंट एकदम उपयुक्त रहेगा।

### हर सफ़र में ज़्यादा - खास डिज़ाइन

- **असाधारण पेलोड क्षमता के साथ**

टाटा ऐस प्रो ने 750 किलोग्राम की श्रेणी में सबसे बेहतरीन पेलोड क्षमता और 6.5 फीट (1.98 मीटर) के वर्सेटाइल डेक के साथ एक नया मानक स्थापित किया है। यह फैक्ट्री-फिटेड लोड बॉडी विकल्पों ड्ड हाफ-डेक या फ्लैटबेड ड्ड के साथ उपलब्ध है, जो तरह-तरह के प्रयोगों में अधिकतम आय को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह कंटेनर, नगरपालिका में प्रयोगों और रीफर बॉडी फिटमेंट के लिए उपयुक्त है। इसका बेहद शक्तिशाली चेसिस और मजबूत एग्रीगेट्स भारी लोड होने पर भी विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं।

# हानिया आमिर के साथ काम करने को लेकर दिलजीत का पासपोर्ट और नागरिकता रद्द करने की मांग की

एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी-3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ काम करने पर विवादों से घिर गए हैं। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज (FWICE) ने दिलजीत दोसांझ, प्रोड्यूसर गुनीर सिंह सिद्, मनमॉर्ड सिद्, और डायरेक्टर अमर हुंदल को देशद्रोही बताते हुए उन्हें इंडस्ट्री से बैन करने की मांग की है।

FWICE ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से इन चारों के पासपोर्ट जब्त करने और इनकी भारतीय नागरिकता रद्द करने की अपील की है। संगठन का कहना है कि इन लोगों ने न सिर्फ देश की भावनाओं का अपमान किया है, बल्कि पाकिस्तानी कलाकारों पर लगाए गए बैन का भी खुला उल्लंघन किया है।

FWICE ने कहा कि हानिया आमिर केवल एक विदेशी कलाकार नहीं हैं, बल्कि वह भारत विरोधी विचारों को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर भारतीय सेना का मजाक बना चुकी हैं और पाकिस्तान के आतंकी हमलों को सही ठहराने की कोशिश कर चुकी हैं।

**हानिया आमिर ने भारतीय सेना का मजाक उड़ाया- FWICE**

FWICE ने आरोप लगाया कि दिलजीत और उनकी टीम को इस बैन और हानिया आमिर के बैकग्राउंड की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उन्होंने उन्हें कास्ट किया। इससे साफ जाहिर होता है कि इनकी निष्ठा भारत के साथ नहीं है।

FWICE बताया कि उसने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड से यह मांग की थी कि फिल्म की भारत में रिलीज पर पूरी तरह रोक लगाई जाए और उसे सर्टिफिकेट भी न दिया जाए।

अधिकारियों ने उनकी बात और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का सम्मान किया और इस फिल्म को भारत में रिलीज करने की इजाजत नहीं दी है।

**पाक कलाकारों से काम करना देशद्रोह के समान - FWICE**

FWICE ने चेतावनी दी है कि जो भी भारतीय फिल्म निर्माता या कलाकार पाकिस्तानी नागरिकों के साथ काम करेगा, उसे देशद्रोह के बराबर माना जाएगा। साथ ही सभी OTT प्लेटफॉर्म, प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, वितरकों और प्रदर्शकों से अपील की गई है कि वे इन चारों से सभी संबंध तोड़ लें। बता दें कि विवादों के बीच दिलजीत ने सेंसर पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि लड़ाई अब शुरू हो रही है। दिलजीत ने अपनी पिछली विवादित फिल्म पंजाब 95 का भी जिक्र किया है, जो सेंसर बोर्ड की आपत्ति के चलते अब तक रिलीज नहीं हो सकी है। दिलजीत दोसांझ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा है- 'रिलीज से पहले सेंसर्ड। मैंने पंजाब 95 (फिल्म) देखी है, अब शायद असल लड़ाई शुरू हो रही है।'

बताते चलें कि 23 जून को दिलजीत दोसांझ ने फिल्म सरदार जी-3 का ट्रेलर शेयर किया था, जिसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर उनके साथ लीड रोल में नजर आ रही हैं।ट्रेलर आते ही दिलजीत पर देशद्रोह के आरोप लग रहे हैं। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही सभी पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में पूरी तरह बैन कर दिया गया है। FWICE ने उस समय ऐलान किया था कि अगर कोई भी भारतीय, पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करेगा तो इसे देशद्रोह माना जाएगा।

**सरदार जी-3 के मेकर्स ने दी सफाई- फिल्म विवाद से पहले शूट हुई**

फिल्म सरदार जी-3 के प्रोड्यूसर गुनबिर सिंह संधू ने विवाद बढ़ने पर इस मामले में सफाई दी है। उन्होंने इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में कहा- 'ये फिल्म पाकिस्तान से कॉन्फ्लिक्ट होने से पहले शूट की गई थी। भारतीयों के सेंटिमेंट को ध्यान में रखते हुए इसे भारत में रिलीज नहीं किया जा रहा है।'

**भारत में रिलीज नहीं होगी फिल्म सरदार जी-3**

बताते चलें कि फिल्म सरदार जी-3 भारत में रिलीज नहीं हो रही है। दिलजीत ने ट्रेलर के साथ ही अनाउंस किया था कि फिल्म ओवरसीज रिलीज होगी। मेकर्स 27 जून को फिल्म को नॉर्थ अमेरिका, UK, कनाडा और मिडिल ईस्ट में रिलीज करेंगे।

**फेडरेशन का ऐलान- दिलजीत को भारत में अब काम नहीं करने देंगे**

बी.एन. तिवारी ने दैनिक भास्कर को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में कहा था, 'अगर वो फिल्म रिलीज करते हैं तो दिलजीत दोसांझ और उनकी प्रोडक्शन कंपनी व्हाइट लेदर हाउस और जितने भी प्रोड्यूसर हैं, सबको इंडिया में बैन करेंगे। यहां उनके कोई प्रोग्राम हो पाएंगे। ऐसी फिल्म को बनाने वाले और उसके साथ काम करने वाले को कभी माफी नहीं है। फेडरेशन पूरी तरह से सरदार जी-3 को बैन करता है।

ये देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं। हमें लगता है कि ये अंदर ही अंदर देशद्रोह का काम कर रहे हैं। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अगर ये सेंसर किए बिना कहीं रिलीज करने की कोशिश करते हैं तो इन्हें माफ नहीं किया जाएगा।'

**क्या बॉर्डर 2 से निकाले जाएंगे दिलजीत दोसांझ?**

फिल्ममेकर और सोशल एक्टिविस्ट अशोक पंडित ने भी सरदार जी-3 में पाकिस्तानी एक्ट्रेस के होने पर कड़ी निंदा की। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि दिलजीत को अब भारत में काम नहीं करने दिया जाएगा। उन्होंने सभी प्रोड्यूसर्स को लेटर लिखकर कहा है कि दिलजीत को अब फिल्मों में न लिया जाएगा। ऐसे में फिल्म बॉर्डर 2 पर सवाल है, जिसमें दिलजीत दोसांझ अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

स्ट्रिक्ट पॉलिसी के चलते यूट्यूब नहीं इंस्टाग्राम पर शेयर किया ट्रेलर

दिलजीत दोसांझ ने सरदार जी-3 का ट्रेलर यूट्यूब पर जारी करने के बजाय सिर्फ इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद से सभी पाकिस्तानी कलाकारों के इंडियन यूट्यूब चैनल से हटा दिए गए हैं। वहीं जिन भी भारतीय फिल्मों में पाकिस्तानी कलाकार नजर आए थे, उनके चेहरे भी यूट्यूब से हटा दिए गए थे। जाहिर है यही वजह है कि दिलजीत ने ट्रेलर यूट्यूब पर पोस्ट नहीं किया है।

# करिश्मा कपूर आज 51 वर्ष की हुईं; अभिनय, आत्मसम्मान और संघर्ष की कहानी

आज करिश्मा कपूर अपना 51वां जन्मदिन मना रही हैं। 90 के दशक की सबसे चमकदार अदाकाराओं में शामिल करिश्मा ने न सिर्फ हिंदी सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं, बल्कि उन्होंने सामाजिक जीवन, पारिवारिक मूल्यों और महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा भी रच दी। इस लेख में हम उनके जीवन के कुछ अनसुने और प्रेरणादायक पहलुओं पर नज़र डालेंगे।

**अभिनय की शुरुआत: एक विरासत का अपवाद**

कपूर खानदान की बेटियाँ फिल्मों में नहीं आतीं — ये परंपरा करिश्मा से पहले तक चली। लेकिन करिश्मा कपूर ने 1991 में सिर्फ 17 साल की उम्र में फिल्म 'प्रेम कैदी' से बॉलीवुड में कदम रखकर इस रिवायत को तोड़ा। उन्हें अभिनय विरासत में जरूर मिला, लेकिन अपने दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में पहचान बनाई।

**'लो लो' की कहानी**

करिश्मा का निकनेम "लो लो" उनके घर का नाम है। इस नाम के पीछे एक मज़ेदार किस्सा है — उनकी मां बबिता को एक यूरोपियन अभिनेत्री "जीना लोब्रीजिडा" बहुत पसंद थीं, और वहीं से "लो लो" नाम आया।

**सुपरहिट फिल्मों की रानी**

करिश्मा ने 90 के दशक में राजा हिंदुस्तानी, दिल तो पागल है, बीवी नंबर 1, फिजा, जुड़वा, हीरो नंबर 1, हम साथ साथ हैं जैसी फिल्में दीं जो आज भी यादगार हैं।

राजा हिंदुस्तानी के लिए उन्हें फ़िल्मफेयर अवॉर्ड मिला।

फिजा जैसी गंभीर भूमिका के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिल तो पागल है के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का फ़िल्मफेयर पुरस्कार जीता।

**फिटनेस और आत्म-संयम**

करिश्मा फिटनेस की जबरदस्त फॉलोअर हैं। वे योग, कार्डियो और संतुलित आहार से खुद को फिट रखती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके वर्कआउट वीडियोज़ लाखों लोगों को प्रेरणा देते हैं।

**निजी जीवन की झलकियाँ**

करिश्मा का रिश्ता पहले अभिषेक बच्चन से जुड़ा, लेकिन दोनों की सगाई टूट गई।

2003 में उन्होंने दिल्ली के बिज़नेसमैन संजय कपूर से शादी की।

2014 में उनका तलाक हुआ, और वे दो बच्चों की माँ हैं — समायरा और कियान।

अपने बच्चों के साथ करिश्मा बेहद निजी और सादा जीवन जीती हैं।

**टीवी और डिजिटल दुनिया में भी करिश्मा**

2003 में उन्होंने टीवी शो 'Karishma – The Miracles of Destiny' में डबल रोल किया।

हाल ही में करिश्मा ने डिजिटल दुनिया में भी कदम रखा है। वे Zee5 की वेब सीरीज़ 'Mentalhood' में नज़र आईं, जिसमें उन्होंने मॉडर्न मां की जद्दोजहद को बखूबी निभाया।

**आज की करिश्मा: आत्मनिर्भर और प्रेरणादायक**

आज करिश्मा एक्टिंग से ज़्यादा अपने परिवार, स्टाइल और सोशल वर्क में सक्रिय हैं।

वे फैशन शोज़ की शोभा बढ़ाती हैं, साथ ही कई चैरिटेबल संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं। उनका जीवन आज की महिलाओं के लिए एक मिसाल है कि कैसे करियर, परिवार और आत्मसम्मान को संतुलन में रखा जा सकता है।

**2025 में करिश्मा का संदेश**

इस साल उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा:

"Call who calls you. Visit who visits you. Ignore who ignores you."

उनकी ये बात आज की भागती दुनिया में आत्म-प्राथमिकता और आत्म-सम्मान की एक सरल लेकिन गहरी सीख है। लेकिन गहरी सीख है।

# कियारा आडवाणी को मीना कुमारी की बायोपिक के लिए किया गया अप्रोच!

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी पर बनने जा रही बायोपिक "कमल और मीना" इन दिनों सुर्खियों में है। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा और प्रोड्यूस कर रहे हैं बिलाल अमरोही व सारेगामा। फिल्म में मीना कुमारी और मशहूर निर्देशक-शायर कमाल अमरोही की दर्दभरी मोहब्बत की कहानी को दिखाया जाएगा। खास बात ये है कि इस बायोपिक के लिए कियारा आडवाणी को मीना कुमारी का रोल निभाने के लिए अप्रोच किया गया है।

क्या है अब तक की जानकारी?

कियारा आडवाणी को अप्रोच किया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है। डायरेक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी ये साफ किया है कि कास्टिंग अभी फाइनल नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कियारा और कृति सेनन दोनों को इस रोल के लिए विचार किया जा रहा है, लेकिन कियारा इस दौड़ में आगे हैं। सोशल मीडिया पर इस बात को और हवा मिली जब कियारा ने फिल्म के टीज़र को लाइक किया और डायरेक्टर को फॉलो किया।

**फिल्म की खास बातें:**

फिल्म का नाम होगा "कमल और मीना" मीना कुमारी और कमाल अमरोही के रिश्ते पर आधारित होगी कहानी फिल्म में इस्तेमाल होंगे असली 500 से ज़्यादा खत और डायरियों के अंश, जो उनके रिश्ते को दर्शाएंगे

**यह फिल्म साल 2026 में रिलीज़ होने की संभावना है**

अगर कियारा इस रोल के लिए फाइनल होती हैं, तो यह उनकी मां बनने के बाद पहली बड़ी फिल्म होगी, जो उनके करियर के लिए एक नया मोड़ ला सकती है।

# एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट सना खान की मां सईदा का निधन सोशल मीडिया पर दी इमोशनल विदाई

पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट और अभिनेत्री सना खान की मां सईदा का निधन हो गया है। इस दुखद खबर की जानकारी खुद सना ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के ज़रिए साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। सना की इस पोस्ट के बाद फैंस और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग उन्हें सांत्वना दे रहे हैं और उनकी मां की मग़फिरत के लिए दुआ कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट

सना खान ने अपनी मां की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा,

"मेरी प्यारी मां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। अल्लाह उन्हें जन्नत-उल-फिरदौस में ऊंचा मक़ाम अता फरमाए। आप सब से गुज़ारिश है कि उनके लिए दुआ करें।"

उन्होंने आगे लिखा कि मां उनके लिए पूरी दुनिया थीं, और उनका जाना ऐसा सदमा है जिससे उबरना बहुत मुश्किल होगा।

मां के बेहद करीब थीं सना

सना खान अपनी मां सईदा के बेहद करीब थीं। अक्सर वह सोशल मीडिया पर अपनी मां के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा करती थीं। उनके पोस्ट्स में मां के लिए मोहब्बत और इज्जत साफ नज़र आती थी। सना ने कई बार बताया कि उनकी मां ने उनकी जिंदगी में बहुत अहम भूमिका निभाई है, खासकर तब जब उन्होंने शोबिज़ से किनारा कर अपनी ज़िंदगी को इस्लामी तालीम के मुताबिक ढालने का फैसला किया था।

फैंस और सेलिब्रिटीज़ कर रहे श्रद्धांजलि अर्पित

सना की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर कई सेलेब्स और फॉलोअर्स ने उन्हें सांत्वना दी है। कई लोगों ने कॉमेंट्स में लिखा कि अल्लाह उनकी मां को जन्नत नसीब करे और सना और उनके परिवार को सब्र दे।

सना खान का सफर

सना खान ने ग्लैमर इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने फिल्मों के साथ-साथ टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस' में भी हिस्सा लिया और वहां काफी चर्चा में रहीं। साल 2020 में उन्होंने इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया था और एक इस्लामिक जीवनशैली अपनाई। इसके बाद उन्होंने मुफ्ती अनस से शादी की और अब वह सोशल मीडिया के ज़रिए दीन की बातें शेयर करती हैं।

अंतिम विदाई की जानकारी

सना खान ने अपनी स्टोरी में यह भी बताया कि उनकी मां की जनाज़ा नमाज़ और दफन का इंतज़ाम कर लिया गया है। उन्होंने चाहने वालों से उनकी मां के लिए मग़फिरत की दुआ करने की गुज़ारिश की।

# आमिर खान ने की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात

आमिर खान ने दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। बुधवार को ये मुलाकात दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां आमिर ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद थी।

प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के आधिकारिक X प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर की गई हैं। पोस्ट में आमिर खान और द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर के साथ लिखा गया है, पॉपुलर फिल्ममेकर और एक्टर श्री आमिर खान ने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है।

वहीं दूसरी पोस्ट में लिखा गया है, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में सितारे जमीन पर देखी। फिल्म में असल न्यूरोडायवर्जेंट कंडीशन से पीड़ित लोग नजर आए हैं, जो विविधता, समानता और समावेश का मैसेज देती है। फिल्म के प्रोड्यूसर और लीड एक्टर आमिर खान भी फिल्म की टीम भी इस दौरान मौजूद रही।आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा के अलावा असल में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अहम किरदारों में हैं। फिल्म एक ऐसे बास्केटबॉल कोच पर आधारित है, जो इन बच्चों के कोच बनते हैं।

राष्ट्रपति भवन में हुआ भावनात्मक आयोजन- राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस स्पेशल स्क्रीनिंग में फिल्म 'तारे ज़मीन पर' को दिखाया गया, जो बच्चों के मानसिक विकास और उनकी ज़रूरतों पर आधारित एक संवेदनशील फिल्म है। फिल्म की कहानी एक ऐसे बच्चे 'ईशान' की है जो डिस्लेक्सिया नामक एक लर्निंग डिसऑर्डर से जूझता है और जिसे आमिर खान द्वारा निभाए गए शिक्षक की मदद से अपनी काबिलियत पहचानने का मौका मिलता है।

इस आयोजन का उद्देश्य था — समाज के विभिन्न तबकों, खासकर अभिभावकों और शिक्षकों को यह समझाना कि हर बच्चा अलग होता है और उसकी ज़रूरतें भी अलग होती हैं।

राष्ट्रपति ने की आमिर खान की सराहना- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बनी फिल्म है जो शिक्षा व्यवस्था और पारिवारिक समझ के बीच पुल का काम करती है। उन्होंने आमिर खान के इस प्रयास को सराहा और कहा कि ऐसे प्रयास समाज में जागरूकता लाने में मदद करते हैं।

उन्होंने यह भी ज़ोर दिया कि हर बच्चे की प्रतिभा को पहचानना और उसे बढ़ावा देना हम सबकी जिम्मेदारी है।

आमिर खान ने जताया आभार- आमिर खान ने इस मौके पर राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने इस फिल्म को राष्ट्रपति भवन में दिखाने का मौका दिया। आमिर ने कहा, "तारे ज़मीन पर मेरे दिल के बेहद करीब है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक संदेश है — उन बच्चों के लिए जो अक्सर अनसुने और अनदेखे रह जाते हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि समाज में डिस्लेक्सिया और अन्य लर्निंग डिसऑर्डर के प्रति जागरूकता आज भी कम है और ऐसे मौकों से इस विषय को सही मंच पर उठाया जा सकता है।

सामाजिक ज़िम्मेदारी के तहत बढ़ता कदम- आमिर खान की इस पहल को न सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा एक सामाजिक सरोकार माना जा रहा है, बल्कि यह एक बड़ा संदेश है कि कैसे सिनेमा समाज में सकारात्मक बदलाव का ज़रिया बन सकता है।

यह मुलाकात और स्क्रीनिंग यह भी दर्शाती है कि भारत के सर्वोच्च संस्थानों तक अब उन मुद्दों की गूंज पहुँच रही है, जिन पर आम तौर पर ध्यान नहीं दिया जाता।

# साजिद खान ने ईशा गुप्ता को दी थीं गालियां

## एक्ट्रेस बोलीं- मैं सेट छोड़कर चली गई थी, कुछ लोग जिंदगी से फ्रस्ट्रेटेड होते हैं

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म हमशक्ल के सेट पर ईशा गुप्ता और साजिद खान के बीच जमकर झगड़ा हुआ था। इस दौरान दोनों के बीच गाली-गलौज हुई थी। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि झगड़े के बाद उन्होंने फिल्म छोड़ दी थी, लेकिन बाद में साजिद ने उनसे माफी मांग ली थी। ईशा गुप्ता ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में झगड़े पर बात करते हुए कहा है, 'मुझे नहीं पसंद लोग मुझे गाली दें। आपको लोगों को वैसे ही ट्रीट करना चाहिए, जैसे आप खुद ट्रीट होना चाहते हैं। ये इतना सिंपल है। हमें तो यही सिखाया गया है। उन्होंने मुझे गाली दी, मैंने भी दी।'

जब ईशा से पूछा गया कि साजिद ने उन्हें गाली क्यों दी, तो जवाब में उन्होंने कहा, 'उनका मन था। कुछ लोगों बात करने से पहले सोचते नहीं हैं। फ्रस्ट्रेटेड होते हैं अपनी जिंदगी से।'

आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं सेट छोड़कर चली गई थी। मैं उन्हीं कपड़ों में कार में बैठी और सीधे घर चली गई। मैं रुकी नहीं। मैंने वो फिल्म छोड़ दी थी। लेकिन प्रोड्यूसर और एसोसिएट प्रोड्यूसर ने डायरेक्टर से पहले मुझे कॉल करके माफी मांग ली थी। आखिर में नुकसान प्रोड्यूसर्स का ही होता।'

ईशा ने बातचीत में साजिद से अफेयर की अफवाहों पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'एक न्यूजपेपर ने मूवी रिलीज के आसपास साजिद खान की डेटिंग हिस्ट्री में मेरा नाम डाला था। मैंने उस न्यूजपेपर से माफी मंगवाई थी। जब साजिद खान पर कास्टिंग काउच के आरोप लगे थे, तब उसमें मेरा भी नाम आया था, लेकिन मैंने साफ बोला था कि नहीं।'

आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरा मानना है कि जहां जिसने जो गलती की है वो बोलो। मैं आज खुला बोल रही हूं कि उन्होंने मुझे गाली दी है। लेकिन प्रमोशन आपने देखा होगा, हमने अच्छे से किया। हम कॉर्डियल थे, लेकिन हमारे बीच इज्जत नहीं थी। मैंने भी ऐसी (कास्टिंग काउच की) सारी स्टोरीज पढ़ी हैं, लेकिन उन्होंने मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं किया।'

# टेस्ट क्रिकेट में इतिहास: 5 शतक के बावजूद भारत हारा

## -इंग्लैंड का धमाकेदार रन चेज और सिराज से मैदान पर तकरार

(लीड्स भाषा), टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारत पहली ऐसी टीम बनी जिसके प्लेयर्स ने 5 शतक लगाए इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हरा दिया। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मंगलवार को मैच के आखिरी दिन मोहम्मद सिराज की इंग्लिश ओपनर्स बेन डकेट और जैक क्रॉली से बहस हो गई। बेन डकेट ने भारत के खिलाफ चौथी पारी में हाईएस्ट स्कोर बनाया। जसप्रीत बुमराह से क्रॉली का कैच छूटा। हेडिंग्ले मैदान में 41 साल बाद चौथी पारी में किसी टीम की ओपनिंग साझेदारी 100 से ज्यादा की हुई। जैक क्रॉली और बेन डकेट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 188 रन जोड़े। इससे पहले 1984 में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और गॉर्डन ग्रीनिज ने 106 रन की साझेदारी की थी। 2010 के बाद पहली बार किसी इंग्लिश ओपनिंग बल्लेबाज ने चौथी इनिंग में सेंचुरी लगाई। बेन डकेट ने 149 रन की पारी खेली। 15 साल पहले एलिस्टेयर कुक ने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में नाबाद 109 रन बनाए थे। हैरी ब्रूक टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले ऐसे बल्लेबाज बने जो पहली पारी में 99 रन पर और दूसरी पारी में पहली ही गेंद पर (गोल्डन डक) आउट हुए।

इंग्लैंड ने हेडिंग्ले टेस्ट में अपना दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले 2022 में भारत के खिलाफ में एजबेस्टन में 378 रन का पीछा किया था। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज हैं।

टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में इंडिया पहली टीम बनी है, जिसके प्लेयर्स ने एक ही मैच में पांच शतक लगाए लेकिन फिर भी मैच हार गई। इससे पहले ऐसा 1928-29 की एशेज सीरीज में हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न टेस्ट में चार शतक लगाए थे। उसी मैच में डॉन ब्रैडमैन ने अपना पहला टेस्ट शतक (112 रन) भी बनाया था, लेकिन फिर भी ऑस्ट्रेलिया को हार मिली थी।

**1. चौथी पारी में जैक क्रॉली और बेन डकेट के बीच 188 रन की ओपनिंग साझेदारी के रिकार्ड्स**

सबसे पहले, यह चौथी पारी में भारत के खिलाफ अब तक की

सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 1953 में वेस्टइंडीज के जेफ्रे रे और एवरटन स्टोलमेयर के नाम था, जिन्होंने 142 रन जोड़े थे। दूसरा, यह हेडिंग्ले मैदान पर चौथी पारी में किसी भी टीम की सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है। इस मैदान पर अंतिम पारी में ओपनिंग विकेट के लिए इससे पहले कभी इतने रन नहीं बने थे। तीसरा, यह साझेदारी इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप है। इससे पहले केवल एक बार इंग्लैंड के ओपनर्स ने चौथी पारी में इससे ज्यादा रन जोड़े हैं। माइकल आथरटन और ग्राहम गूच ने 1991 एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 203 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी।

**2. डकेट का भारत के खिलाफ चौथी पारी में हाईएस्ट स्कोर**

भारत के खिलाफ चौथी पारी में रन चेज के दौरान हाईएस्ट इंडीविजुअल स्कोर बनाने का रिकॉर्ड बेन डकेट ने अपने नाम कर लिया। उन्होंने कल 149 रन की पारी खेली। उनसे पहले, जो रूट ने 2022 एजबेस्टन में नाबाद 142 रन बनाए थे। तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस हैं, जिन्होंने 2013 जोहान्सबर्ग में 134 रन बनाए थे।

**1. काली पट्टी बांधकर उतरे भारतीय खिलाड़ी**

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोषी को श्रद्धांजलि देने के लिए भारत और इंग्लैंड की टीमें काली पट्टी पहनकर खेलीं। दिलीप दोषी का सोमवार को निधन हो गया था। उनकी याद में आज मैच के पांचवें दिन की शुरुआत से पहले मैदान पर एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

**2. बॉल चेंज पर जडेजा ने अंपायर को जीत का रिएक्शन दिखाया**

भारतीय प्लेयर्स की लगातार बॉल चेंज करने की मांग को अंपायर 27वें ओवर में माना। अंपायर क्रिस गैफ्नी ने एक बार फिर गेंद की फिटनेस चेक की और पाया कि गेंद अब बॉल गेज टेस्ट (बॉल चेकर) को पास नहीं कर पा रही थी। इस बार गेंद रिंग में फिट नहीं बैठी यानी गेंद का आकार बिगड़ चुका था। इसके बाद अंपायर ने बॉल बदली। गेंद बदले जाने की मंजूरी पर रवींद्र जडेजा ने खुशी से अंपायर की तरफ जीत का रिएक्शन दिया और अंपायर क्रिस गैफ्नी ने ओर मुस्कुराते हुए इशारा किया। उन्होंने जडेजा की पीठ भी थपथपाई।

**3. बुमराह से क्रॉली का कैच छूटा**

**29वें ओवर की पांचवीं बॉल पर** जसप्रीत बुमराह ने जैक क्रॉली को जीवनदान दिया। बुमराह की गेंद ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ पर थी, क्रॉली ने सीधा ड्राइव खेला। गेंद तेजी से नीचे की ओर की गई। बुमराह बाईं ओर झुके और कैच लपकने की कोशिश की, लेकिन पूरी पकड़ नहीं बना पाए। क्रॉली इस समय 42 रन पर थे।

**4. एक तरफ मोहम्मद है, एक तरफ कृष्णा दोनों भगवान आ गए हैं:**

गिल इंग्लैंड की दूसरी पारी में प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल ने बेन डकेट को ऑफ स्टंप के बाहर बीट किया। गेंद बहुत करीब से निकली, लेकिन बल्ले का किनारा नहीं लगा। तभी कप्तान शुभमन गिल ने मजाकिया अंदाज में कहा, एक तरफ मोहम्मद है, एक तरफ कृष्णा... भगवान आ गए हैं।

**5. सिराज की इंग्लिश ओपनर्स से बहस हुई**

लंच से ठीक पहले 30वें ओवर में मोहम्मद सिराज की इंग्लिश ओपनर्स जैक क्रॉली और बेन डकेट से बहस हो गई। सिराज ओवर की आखिरी बॉल फेंकने के लिए तैयार थे। स्ट्राइक एंड पर जैक क्रॉली को साइट स्क्रीन की वजह से दिक्कत हुई और वो आखिरी पल में बल्लेबाजी से हट गए। यहां सिराज गुस्से में क्रॉली को कुछ कहते हैं, जिसका जवाब बेन डकेट ने दिया। सिराज को लग रहा था कि ओपनर्स जानबूझकर समय बर्बाद कर रहे हैं, ताकि लंच से पहले अगला ओवर न हो सके।

**6. यशस्वी ने डकेट को 97 रन पर जीवनदान दिया**

39वें ओवर की आखिरी बॉल पर बेन डकेट को जीवनदान मिला। बेन डकेट ने पुल शॉट खेला, लेकिन गेंद टॉप-एज होकर हवा में गई। मिडविकेट पर खड़े यशस्वी जायसवाल ने दौड़कर गेंद तक पहुंचे, डाइव लगाई, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके।

**7. शार्दूल को लगातार दो बॉल पर विकेट, डकेट के बाद ब्रूक आउट**

55वां ओवर डाल रहे शार्दूल ठाकुर ने लगातार दो बॉल पर दो विकेट झटके। उन्होंने ओवर की तीसरी बॉल पर बेन डकेट को सब्स्टिट्यूट नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच कराया। डकेट 149 रन बनाकर आउट हुए। ओवर की चौथी बॉल पर हैरी ब्रूक को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। ब्रूक खाता भी नहीं खोल सके। शार्दूल ने इस ओवर में महज 3 रन खर्च किए। वे हैट्रिक पर थे, लेकिन बेन स्टोक्स ने 3 रन लेकर अपना खाता खोल लिया।

**8. स्टोक्स के रिवर्स शॉट पर पंत से कैच छूटा**

66वें ओवर की पहली बॉल पर विकेटकीपर ऋषभ पंत से बेन स्टोक्स का कैच छूट गया। स्टोक्स ने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर नहीं, ग्लव्स से लगकर हवा में उछल गई। गेंद हवा में घूमती हुई ऋषभ पंत के सिर के ऊपर से निकल गई, लेकिन पंत को बॉल नहीं दिखी। लेग स्लिप पर खड़े केएल राहुल ने भी दौड़कर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो समय पर नहीं पहुंच पाए। हालांकि, जडेजा ने स्टोक्स को आउट कर दिया। उन्होंने रिवर्स शॉट खेला, लेकिन बॉल को टाइम नहीं कर सके। बॉल शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े कप्तान शुभमन गिल के पास गई और उन्होंने आसान सा कैच कर लिया।

**9. जैमी स्मिथ ने सिक्स लगाकर मैच जिताया**

जैमी स्मिथ ने 82वां ओवर डाल रहे रवींद्र जडेजा के एक ओवर से 18 रन बनाए। उन्होंने आखिरी बॉल पर छक्का लगाकर अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिलाई।

# ऋषभ पंत ने बदली बल्लेबाज़ी की स्टाइल और रचा नया इतिहास

## -अब हर गेंद पर नहीं, हालात के मुताबिक खेलते हैं

भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में भी शतक लगाया। वे एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जमाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने। पंत ने पहली पारी में 134 रन और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। इंग्लैंड टेस्ट में उनके बल्ले से ऐसे ही रन नहीं निकले हैं। इसके पीछे उनकी कड़ी मेहनत और बल्लेबाजी स्टाइल में किए बदलाव अहम वजह है। पंत के सोनेट क्लब में कोच रहे देवेंद्र शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि उन्होंने डिफेंस और ड्राइव पर काम किया।

**धैर्य से खेलने और शॉट्स चयन पर काम किया**

देवेंद्र शर्मा ने दैनिक भास्कर को बताया कि ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद IPL में उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे। वह काफी निराश थे। उनकी आलोचना की जा रही थी। पंत ने मुझसे से बातचीत की। फिर हम दोनों ने रिव्यू किया और पाया कि कुछ चीजों पर काम करने की जरूरत है। सबसे पहले यह तय हुआ कि टेस्ट में उन्हें धैर्य से खेलना होगा और शॉट सेलेक्शन पर काम करना होगा। बाहर जाती हुई गेंदों को छोड़ना होगा और अच्छे गेंद को सम्मान देना होगा। इसके लिए पंत ने रोजाना 2.30 से 3.00 घंटे प्रैक्टिस की। खुद को मानसिक रूप से भी इसके लिए तैयार किया। आपने देखा होगा कि पंत इंग्लैंड में पहली पारी से अपने नेचर के विपरीत खेलते नजर आए। वह शुरू से ही डिफेंसिव मोड में खेले। पहले वह हर बॉल पर आक्रामक रहते थे, वहीं अब उन्होंने धैर्य रखना सीख लिया है और शॉट सेलेक्शन में सावधानी बरती। ऐसा नहीं है कि पंत ने आक्रामक शैली को छोड़ दिया है, पर अच्छी गेंद को सम्मान देना शुरू कर दिया और खराब गेंदों

पर शॉट्स लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने डिफेंस और ड्राइव पर अच्छा काम किया है। यही कारण है कि दोनों ही पारियों में वह शतक लगाने में सफल रहे।

**कार एक्सीडेंट के बाद पंत खुद दोबारा क्रिकेट खेलने को लेकर डाउट में थे**

शर्मा बताते हैं कि 2022 के आखिरी दिन दिल्ली से रुड़की जाते हुए कार एक्सीडेंट में पंत को काफी चोटें आईं थी। उनके घुटने की लिगामेंट टूट गई। जब मैं उन्हें देहरादून में देखने गया, तो मुझे भी लगा कि अब क्रिकेट खेलना मुश्किल हो सकता है। पंत ने मेरे से एक ही सवाल किया कि सर क्या में दोबारा क्रिकेट खेल पाउंगा। मैंने खुद को संभाला और कहा हां खेल पाओगे और पहले अपने को ठीक करो। उस समय उसको मोटिवेट करना चैलेंजिंग था। परिवार से लेकर सभी ने उसको मोटिवेट किया। वह ऐसा समय रहा कि पंत दोनों महीनों तक हिल भी नहीं पा रहा था। मैं BCCI और नेशनल क्रिकेट अकादमी (NCA) का शुक्रगुजार हूं कि उस समय उसके साथ खड़े रहे। NCA ने उनके रिहैब में काम किया और वह फिर से क्रिकेट में वापसी कर पाए। उन्होंने पहले IPL खेला और फिर इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की।

**दोनों पारियों में शतक आलोचकों को जवाब**

देवेंद्र शर्मा ने कहा कि दोनों पारियों में शतक पंत का आलोचकों को जवाब है। दो हफ्ते पहले ही उनके फ्यूचर को लेकर लोग बात कर रहे थे, कि आगे क्या होगा। पहले ही वह टी-20 और वनडे टीम से बाहर चल रहे थे। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी में टीम में शामिल थे, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया में भी उनके बल्ले से रन नहीं निकला था। ऐसे में इंग्लैंड दौरे के पहले मुकाबले में दोनों पारियों में शतक आलोचकों को जवाब है, पंत ने बता दिया कि उनमें काबिलियत है और टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा जता कर कोई गलत फैसला नहीं किया। इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता है। ऐसे में पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन उनकी काबिलियत को दिखाता है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में वह टी-20 और वनडे में भी टीम का हिस्सा होंगे।

**कोच का नजरिया**

ऋषभ पंत के कोच तरुण भरद्वाज ने इस बदले हुए रूप को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा - "ऋषभ अब सिर्फ एक फायरब्रांड नहीं रहे। वह अब परिस्थिति पढ़ सकते हैं, शांत रह सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर धीमी बल्लेबाज़ी करने से भी नहीं हिचकते। यह बदलाव सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक भी है।"

भरद्वाज का मानना है कि इस बदलाव का श्रेय पंत की मेहनत और मानसिक ताकत को जाता है। 2023 में चोटिल होने के बाद से पंत ने मैदान से बाहर रहकर बहुत कुछ सीखा, खुद को रीसेट किया और वापसी के लिए खुद को मानसिक रूप से तैयार किया।

**क्रिकेट विशेषज्ञों की राय**

पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कहा – "पंत का यह नया अवतार भारतीय टेस्ट टीम के लिए बहुत ज़रूरी है। अगर वह इसी तरह से खेलते रहे, तो आने वाले सालों में वह भारत के सबसे भरोसेमंद मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज़ बन सकते हैं।"

वहीं, सुनील गावस्कर ने उनकी तकनीक की तारीफ करते हुए कहा – "बल्ले और शरीर के बीच अब गैप नहीं है, उनका फुटवर्क शानदार हो गया है और वह अब शॉट सिलेक्शन पर ध्यान दे रहे हैं। यही एक टेस्ट बल्लेबाज़ की पहचान होती है।"

# 4 दिन में दूसरी जीत: नीरज चोपड़ा ने गोल्डन स्पाइक मीट में भाला फेंक कर रचा इतिहास

## -85.29 मीटर थ्रो के साथ रहे नंबर-1

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। वे लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नंबर-1 पर रहे हैं। नीरज ने 4 दिन पहले 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था। भारतीय एथलेटिक्स के चमकते सितारे नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। ओलंपिक चैंपियन नीरज ने महज़ 4 दिन के भीतर दूसरा बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीत लिया है। पेरिस में डायमंड लीग जीतने के बाद उन्होंने अब चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में आयोजित गोल्डन स्पाइक मीट (Golden Spike Meet) में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने अपने भाले को 85.29 मीटर दूर फेंक कर यह कामयाबी हासिल की और एक बार फिर साबित किया कि वे दुनिया के नंबर-1 जैवलिन थ्रोअर क्यों हैं।

**नीरज का प्रदर्शन – गोल्डन स्पाइक मीट 2025**

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में कुल 6 थ्रो किए। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 85.29 मीटर रहा, जो उन्होंने तीसरे प्रयास में किया।

पहले प्रयास में उन्होंने 82.53 मीटर फेंका, दूसरा थ्रो फाउल रहा, लेकिन तीसरे में उन्होंने लय पकड़ ली और 85.29 मीटर का निशान छुआ। इसके बाद के थ्रो में उन्होंने क्रमशः 84.49 मीटर, 82.28 मीटर और 80.20 मीटर फेंका। उनके सभी थ्रो मजबूत और सटीक रहे, जिससे प्रतियोगिता में उनकी बढ़त स्पष्ट रूप से बनी रही।

**प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़े नीरज**

इस टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भाग ले रहे थे, लेकिन नीरज चोपड़ा ने सभी को पीछे छोड़ दिया। खास तौर पर जर्मनी के जूलियन वेबर और फिनलैंड के ओलिवर हेलैंडर जैसे खिलाड़ियों की चुनौती थी, लेकिन नीरज ने अपने अनुभव और तकनीक से उन पर बढ़त बनाई। दूसरे स्थान पर रहे वेबर ने 85.04 मीटर भाला फेंका, जो नीरज के थ्रो से थोड़ा ही कम था। तीसरे स्थान पर रहे हेलैंडर ने 83.96 मीटर का थ्रो किया। इस तरह नीरज ने एक बार फिर साबित किया कि वे सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के भी सबसे बेहतरीन जैवलिन थ्रोअर हैं।

पेरिस डायमंड लीग में भी मचाई थी धूम

गोल्डन स्पाइक मीट से ठीक चार दिन पहले नीरज ने पेरिस डायमंड लीग में भी गोल्ड मेडल जीता था। उस प्रतियोगिता में उन्होंने 85.97 मीटर का थ्रो किया था। यह थ्रो भी काफी शानदार था और उन्होंने वहां भी कई बड़े दावेदारों को मात दी थी। डायमंड लीग जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता जीतना किसी भी एथलीट के लिए बड़ी उपलब्धि होती है, और नीरज ने ये दिखा दिया कि वे हर मंच पर प्रदर्शन कर सकते हैं।

**ओलंपिक की तैयारी जोरों पर**

नीरज चोपड़ा का यह प्रदर्शन सिर्फ पदकों की दृष्टि से नहीं, बल्कि आगामी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिहाज से भी बेहद अहम है। उनकी लगातार दो टूर्नामेंट्स में जीत यह संकेत देती है कि वे अपनी फिटनेस, फॉर्म और फोकस को शीर्ष स्तर पर बनाए हुए हैं।

खुद नीरज ने गोल्डन स्पाइक मीट के बाद कहा

"मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। हालांकि मेरा लक्ष्य 88 मीटर से ऊपर का थ्रो करना है, लेकिन इस सीज़न की शुरुआत में लगातार जीत हासिल करना मेरे आत्मविश्वास को बढ़ा रहा है। मैं अपने कोच के साथ मिलकर लगातार तकनीकी सुधार पर काम कर रहा हूं।"

# लीड्स टेस्ट में भारत की हार के 5 बड़े कारण

## -मिडिल ऑर्डर फ्लॉप, गेंदबाज़ी भी रही बेअसर

(लीड्स), इंग्लैंड के लीड्स मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच में भारत को एक कड़ी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने ज़बरदस्त प्रदर्शन करते हुए भारत को इस मैच में बुरी तरह हराया। भारत की इस हार के पीछे कई वजहें रहीं, जिनमें से पांच प्रमुख फैक्टर्स का विश्लेषण किया गया है। आइए जानते हैं कि किन कारणों ने भारत की हार की पटकथा लिखी। शुभमन गिल का कप्तानी सफर शुरुआत हार के साथ शुरू हुआ। भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पहला मैच 5 विकेट से हार गया है। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को इंग्लैंड ने 371 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल किया। यह मैच शुरुआती 4 दिनों तक बराबरी पर था, आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 350 बनाने थे। टीम ने घरेलू परिस्थितियों में बेहतरीन बैटिंग करके जीत हासिल की। बेन डकेट (149 रन) और जैक क्रॉली (65 रन) ने 188 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग पार्टनरशिप की।

**भारत की हार के 5 फैक्टर्स**

**फैक्टर्स-1: मिडिल-लोअर ऑर्डर का फेल होना**

भारतीय टीम का मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर दोनों पारियों में कोलैप्स कर गया। भारतीय टीम ने पहले पारी में आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बैटर्स 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए। पहली पारी में करुण नायर शून्य, रवींद्र जडेजा 11 और शार्दूल ठाकुर एक रन बनाकर आउट हुए। इससे भारत पहली पारी में 500 के पार नहीं जा सका। दूसरी पारी में करुण नायर 20, रवींद्र जडेजा 25 और शार्दूल ठाकुर 4 रन बनाकर आउट हो गए। इस बार टीम इंग्लैंड को 400

पार का टारगेट नहीं दे सकी। जबकि, टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 333 रन बना लिए थे।

**फैक्टर्स-2: तीन गेंदबाजों का कमजोर प्रदर्शन**

लीड्स की पिच पर इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान भारत की गेंदबाजी यूनिट खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। साथ ही मुकाबले में चौथे-पांचवें गेंदबाज का प्रदर्शन कमजोर रहा। बुमराह-प्रसिद्ध के अलावा, कोई भी गेंदबाज इंग्लिश बैटर्स को परेशान नहीं कर सका। मोहम्मद सिराज और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 और रवींद्र जडेजा ने एक विकेट लिया।

**फैक्टर-3: खराब फील्डिंग, 9 कैच ड्रॉप किए**

भारत की हार की मुख्य वजह खराब फील्डिंग रही। टीम ने अहम मौकों पर 9 कैच छोड़े। इनमें से 6 कैच पहली पारी में छूटे, जबकि 3 कैच दूसरी पारी में ड्रॉप हुए। मैच में सेंचुरी लगाने वाले ओली पोप और बेन डकेट को 2-2 जीवनदान मिले। भारत की ग्राउंड फील्डिंग भी खराब रही।

**फैक्टर-4: पांचवें दिन भी पिच का फ्लैट रहना**

आम तौर पर किसी टेस्ट मैच में पांचवें दिन बल्लेबाजी करना मुश्किल होता है। तब तक पिच काफी हद तक टूट जाती है, लेकिन हेडिंग्ले में ऐसा नहीं हुआ। पांचवें दिन भी पिच में गेंदबाजों के लिए कोई मदद मौजूद नहीं थी।

**फैक्टर-5: क्रॉली-डकेट की रिकॉर्ड साझेदारी**

इंग्लिश टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम से बेन डकेट और ओली पोप ने शतक लगाए। हैरी ब्रूक ने 99 रन बनाए। दूसरी इनिंग में इंग्लिश ओपनर्स जैक क्रॉली और बेन डकेट ने 188 रन जोड़े। यह निर्णायक साझेदारी साबित हुई। दोनों ने इंग्लैंड के लिए चौथी पारी में अब तक की दूसरी सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप की।

भारत की यह हार उसकी तैयारियों और रणनीतियों पर सवाल खड़े करती है। टेस्ट सीरीज़ लंबे फॉर्मेट का खेल है और एक मैच हारने से सीरीज़ नहीं हारती, लेकिन इससे सबक ज़रूरी है। मिडिल ऑर्डर को फॉर्म में लाना होगा, वरना हर बार ओपनर्स पर निर्भरता टीम को महंगी पड़ेगी।

स्पिन और ऑलराउंड डिपार्टमेंट में सुधार और सही प्लेइंग XI का चयन ज़रूरी है।

विदेशी पिचों पर स्विंग और सीम का सामना करने की तकनीक में बदलाव लाना होगा।

अगर भारत अगला टेस्ट जीतना चाहता है, तो उसे आत्मनिरीक्षण करना होगा और हर विभाग में सुधार लाना होगा। वरना यह सीरीज़ भी हाथ से फिसल सकती है। सबसे बड़ा कारण मिडिल और लोअर ऑर्डर का फेल होना था, जहां दोनों पारियों में भारत ने आखिरी विकेट सस्ते में गंवाए। वहीं गेंदबाज़ी में बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा कोई असर नहीं दिखा सका। भारत की फील्डिंग भी बेहद खराब रही, टीम ने पूरे मैच में 9 कैच छोड़े, जिससे इंग्लिश बल्लेबाज़ों को जीवनदान मिले। यह हार भारत की रणनीति, चयन और तैयारी पर सवाल खड़े करती है।

# कार्लोस अल्कराज ने लगातार दूसरी बार क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीती

## -बोले- ग्रास कोर्ट पर बेहतरीन महसूस कर रहा हूं, अब लक्ष्य विंबलडन हैट्रिक

स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास से दुनिया को चौंका दिया है। उन्होंने क्वींस क्लब चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीतकर यह साबित कर दिया कि वह सिर्फ क्ले कोर्ट के खिलाड़ी नहीं हैं, बल्कि घास (ग्रास) पर भी उनका दबदबा बढ़ता जा रहा है। इस जीत के बाद अल्काराज ने कहा, "मैं ग्रास कोर्ट पर शानदार महसूस कर रहा हूं। मेरा आत्मविश्वास अब विंबलडन के लिए और मजबूत हो गया है।"

**फाइनल मुकाबला और प्रदर्शन**

क्वींस क्लब चैंपियनशिप के फाइनल में अल्काराज ने एकतरफा अंदाज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर को 6-4, 6-4 से हराया। यह मुकाबला सिर्फ डेढ़ घंटे तक चला, जिसमें अल्काराज की सर्विस, ग्राउंड स्टोक्स और मूवमेंट ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में लगातार प्रभावशाली

प्रदर्शन किया। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में उन्होंने बड़े खिलाड़ियों को हराया और एक भी सेट नहीं गंवाया। उनकी ताकतवर फोरहैंड, शानदार फुटवर्क और बदलते टेम्पो के साथ खेलने की काबिलियत ने उन्हें ग्रास कोर्ट पर भी एक चैंपियन बना दिया।

**दूसरी बार क्वींस क्लब विजेता**

यह अल्काराज की लगातार दूसरी क्वींस क्लब चैंपियनशिप जीत है। उन्होंने 2024 में भी यह खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट को अक्सर "विंबलडन की तैयारी" के रूप में देखा जाता है, और इस खिताब को जीतने वाले खिलाड़ी आमतौर पर विंबलडन में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। उनकी इस जीत ने उन्हें विंबलडन 2025 का टॉप दावेदार बना दिया है। 21 वर्षीय अल्काराज अब विंबलडन में लगातार तीसरा खिताब जीतने की तैयारी में हैं। अगर वह ऐसा करने में सफल होते हैं, तो वह राफा नडाल और रोजर फेडरर जैसे दिग्गजों की कतार में खड़े हो जाएंगे।

**अल्काराज की प्रतिक्रिया**

जीत के बाद उन्होंने कहा,

"मैं इस जीत से बेहद खुश हूं। पिछले साल की तरह इस बार भी यहां खेलकर आत्मविश्वास बढ़ा है। ग्रास कोर्ट पर शुरुआत में मुझे दिक्कत होती थी, लेकिन अब मेरा गेम यहां के अनुकूल होता जा रहा है। मैं विंबलडन के लिए तैयार हूं और कोशिश करूंगा कि तीसरी बार वहां खिताब जीतूं।"

**विंबलडन की तैयारी और लक्ष्य**

विंबलडन 2025 अब महज़ एक हफ्ते दूर है और अल्काराज पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। उन्हें इस बार नोवाक जोकोविच, जानिक सिनर, डेनिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सितसिपास जैसे खिलाड़ियों से चुनौती मिल सकती है।

लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, अल्काराज का आत्मविश्वास अपने चरम पर है। 2023 और 2024 में उन्होंने विंबलडन का खिताब जीतकर खुद को ग्रास कोर्ट पर भी सिद्ध किया था। अब वह तीसरी बार इस खिताब को जीतकर हैट्रिक बनाना चाहते हैं – जो किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

# इजराइल का संघर्ष विराम शुरू होने के बाद भी ईरान की ओर से मिसाइल दागने का दावा, ईरानी सेना का इनकार

» बीरशेबा (इजराइल), भाषा।

इजराइल और ईरान के बीच अस्थाई तौर पर मंगलवार को घोषित संघर्ष विराम उस समय खटाई में पड़ता नजर आया जब तेल अवीव ने दावा किया कि एक दूसरे के खिलाफ हमले नहीं करने को लेकर बनी सहमति के दो घंटे बाद उसके हवाई क्षेत्र में मिसाइलें दागी गई है और वह जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरान की सेना ने इजराइल पर मिसाइल दागने से इनकार किया। लेकिन सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, मध्यरात्रि में उत्तरी इजराइल में धमाकों की आवाजें गूंज उठीं और सायरन बजने लगे। इससे पहले, इजराइल और ईरान दोनों ने अपने 12 दिवसीय युद्ध को समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम योजना को स्वीकार कर लिया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज़ ने मिसाइल हमलों को संघर्षविराम का उल्लंघन बताया और इजराइल की सेना को तेहरान पर हमला करने और शासन के लक्ष्यों और आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए गहन अभियान फिर से शुरू करने का निर्देश दिया। इस अस्थाई समझौते की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार की सुबह की, जब ईरान ने सोमवार को कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर जवाबी मिसाइल दागी थी।

ट्रंप की घोषणा और संघर्ष विराम शुरू होने के बीच इजराइल ने भोर से पहले ईरान भर में हवाई हमलों की बौछार कर दी। ईरान ने भी मंगलवार की सुबह इजराइल पर मिसाइलों से हमला किया जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए। इजराइल के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि ईरान ने युद्ध विराम के कुछ घंटों बाद उनके देश पर दो मिसाइलें दागीं। अधिकारी ने बताया कि दोनों मिसाइलों को निष्क्रिय कर दिया गया। मिसाइल हमलों के बाद इजराइल के वित्त मंत्री बेत्ज़ेल स्मोट्रिच ने एक्स पर लिखा, तेहरान कांप उठेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है जबकि ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल ने खबर दी कि लड़ाई बंद हो गई है। मिसाइलों से हमले की खबर सऊदी अरब और मिस्र सहित क्षेत्रीय नेताओं द्वारा ट्रंप की युद्ध विराम की घोषणा का स्वागत करने के बाद आई। ईरान को हमले रोकने के लिए दी गई समय-सीमा समाप्त होने के एक घंटे बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया खाते ट्रुथ सोशल पर मंगलवार की सुबह लिखा, संघर्ष विराम अब प्रभावी है। कृपया इसका उल्लंघन न करें। इजराइल पर सुबह मिसाइलों की बौछार उस वक्त हुई जब प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप के साथ समन्वय करते हुए इजराइल ने ईरान के साथ द्विपक्षीय संघर्षविराम पर सहमति जताई है।

## इजराइल का हवाई क्षेत्र अगले आदेश तक उड़ानों के लिए बंद: इजराइल विमानपत्तन प्राधिकरण

दुबई। इजराइल विमानपत्तन प्राधिकरण ने कहा कि ईरान के हमलों के कारण उन्हें देश के हवाई क्षेत्र को उन सभी यात्री विमानों के लिए बंद करना पड़ा है, जो मंगलवार को इजराइल के हवाई अड्डों पर उतरने या उनसे से प्रस्थान करने वाले थे। इनमें आपातकालीन उड़ानें भी शामिल हैं। इजराइल के मीडिया के अनुसार, कुछ उड़ानों को भूमध्य सागर के ऊपर चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल के हवाई अड्डे बंद हैं, लेकिन पिछले कुछ दिन में कुछ आपातकालीन उड़ानें आनी-जानी शुरू हो गई थीं।

## इजराइल की सेना ने ईरान की ओर से मिसाइल हमलों को लेकर लोगों को सतर्क किया

यरुशलम। इजराइल की सेना ने मंगलवार को ईरान की ओर से देश को निशाना बनाकर किए गए मिसाइल हमलों को लेकर लोगों को सतर्क किया। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की थी कि इजराइल और ईरान ने पूर्ण संघर्षविराम पर सहमति व्यक्त की है। लेकिन दोनों ही देशों ने इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। इजराइल पर ये हमले ईरान के स्थानीय समयानुसार सुबह चार बजे के बाद हुए और इसी दौरान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराग्ची ने कहा कि अगर इजराइल हवाई हमले बंद कर दे तो ईरान भी हवाई हमले रोक देगा।

## ईरान के हमलों में तीन लोगों की मौत : इजराइल

दुबई। इजराइल ने कहा है कि ईरान के हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है। इससे पहले इजराइल ने ईरान के हमलों को लेकर मंगलवार को नागरिकों को सतर्क किया था। इजराइल की बचाव सेवा मैगन डेविड जाफन ने कहा कि सुबह हुए हमलों में कम से कम तीन लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। आपातकालीन बचावकर्मियों के अनुसार ईरान के हमलों में इजराइल के दक्षिण में स्थित एक आवासीय इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है। मंगलवार की सुबह कई मिसाइल हमले किए गए जिसके कारण इजराइल के लोगों को लगभग दो घंटे तक बम रोधी आश्रय स्थलों में रहना पड़ा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की थी कि इजराइल और ईरान ने पूर्ण संघर्षविराम पर सहमति व्यक्त की है। लेकिन दोनों ही देशों ने इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है।

## ईरान, इजराइल दोनों ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया : ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इजराइल और ईरान ने शत्रुता समाप्त करने के लिए मंगलवार की समय-सीमा समाप्त होने के बाद हमले करके संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन किया है। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष विराम को बनाए रखने की कोशिश कर रहे ट्रंप ने इजराइल को चेतावनी दी कि वह अपने पायलटों को वापस बुला ले।यह बात ट्रुथ सोशल पर मंगलवार को एक पोस्ट में कही गई। हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने लगातार हो रहे हमलों पर निराशा व्यक्त की। ट्रंप ने कहा, उन्होंने इसका उल्लंघन किया, लेकिन इजराइल ने भी इसका उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, मैं इजराइल से खुश नहीं हूं। लगभग उसी समय, उन्होंने एक ट्रुथ पोस्ट में कहा, इजराइल। उन बमों को मत गिराओ। अगर तुम ऐसा करते हो, तो यह एक बड़ा उल्लंघन होगा। अपने पायलटों को वापस बुलाओ मंगलवार को यह संघर्ष विराम उस समय टूट गया, जब इजराइल ने ईरान पर संघर्ष विराम लागू होने के बाद उसके हवाई क्षेत्र में मिसाइलें दागने का आरोप लगाया तथा जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प जताया। सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान की सेना ने इजराइल पर हमला करने से इनकार किया है - लेकिन मध्याह्न के समय उत्तरी इजराइल में विस्फोटों की आवाजें गूंजीं और सायरन बजने लगे, तथा एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि दो ईरानी मिसाइलों को नष्ट कर दिया गया।

## ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करके जवाबी कार्रवाई करने की आशंका

दुबई। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध ने इस बात की चिंता बढ़ा दी है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की कोशिश करके जवाबी कार्रवाई कर सकता है, जो दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल आपूर्ति क्षेत्र है और हर दिन बड़ी मात्रा में कच्चा तेल इसके रास्ते गुजरता है। सप्ताहांत में ईरान में तीन परमाणु स्थलों पर अमेरिकी सेना के हमले ने इस बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं कि उसकी सेना किस तरह से जवाब दे सकती है। होर्मुज जलडमरूमध्य ओमान और ईरान के बीच है, जिसके पास तेज गति से हमला करने वाली नौकाओं का बेड़ा और मिसाइलें हैं, जिनका इस्तेमाल करके वह जलडमरूमध्य को कम से कम कुछ समय के लिए बंद कर सकता है। बंदर अब्बास में ईरान का मुख्य नौसैनिक अड्डा जलडमरूमध्य के उत्तरी तट पर है। यह अपने लंबे फारसी की खाड़ी तट से मिसाइलें भी दाग सकता है, जैसा कि इसके सहयोगी यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में किया। पिछले साल प्रतिदिन लगभग 2 करोड़ बैरल तेल या दुनिया की तेल खपत का लगभग 20 प्रतिशत इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। इसमें से ज्यादातर तेल एशिया जाता है।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 10वीं वार्षिक बैठक

# भारत-चीन के बीच तनाव का एआईआईबी पर असर नहीं : निवेश समाधान के उपाध्यक्ष पांडे

» बीजिंग, भाषा।

भारत और चीन के बीच टकराव से एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) के कामकाज और विकास पर कोई असर नहीं पड़ा है, जहां दोनों देश शीर्ष दो निवेशक हैं। बैंक के निवेश समाधान के उपाध्यक्ष अजय भूषण पांडे ने पीटीआई-वीडियो के साथ यहां साक्षात्कार में इस धारणा को दूर करने का प्रयास किया कि एआईआईबी चीन का बैंक है। उन्होंने कहा कि यह वास्तव में एक बहुपक्षीय विकास बैंक (एमडीबी) के रूप में उभरा है, जिसके पास अच्छी तरह से स्थापित शासी संरचनाएं हैं। बैंक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन 26.54 प्रतिशत मतदान अधिकार के साथ एआईआईबी का सबसे बड़ा शेयरधारक है। भारत 7.58 प्रतिशत के साथ दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। इसके बाद रूस (5.9 प्रतिशत) और जर्मनी (4.1 प्रतिशत) का स्थान आता है। पूर्व वित्त सचिव और आधार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पांडे ने अपने लगभग एक घंटे के साक्षात्कार में कई सवालों के जवाब दिए।

इनमें से एक प्रमुख सवाल यह भी था कि क्या भारत-चीन तनाव और अमेरिका तथा जापान जैसे प्रभावशाली देशों की अनुपस्थिति ने बैंक पर कोई प्रभाव डाला है। इस वर्ष अप्रैल में बैंक के निवेश समाधान के उपाध्यक्ष का पदभार संभालने वाले पांडे ने कहा कि भारत और चीन के बीच मतभेदों तथा टकरावों से बैंक के कामकाज पर किसी भी तरह से असर नहीं पड़ा है। पांडे ने कहा, एमडीबी को पेशेवर संगठन माना जाता है। देशों के बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब वे बैंक की मेज पर बैठते हैं, तो आप जानते हैं कि वे अपने स्वयं के आर्थिक हितों की बात करते हैं। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि दुनिया में कहीं न कहीं किसी समय कुछ देशों या देशों के समूह के बीच हमेशा कुछ भू-राजनीतिक तनाव होता है। पांडे ने कहा, बैंक के बाहर और अन्य राजनीतिक क्षेत्रों तथा मीडिया में देशों का एक-दूसरे के प्रति व्यवहार अलग हो सकता है, लेकिन यह बैंक की कार्यप्रणाली में परिलक्षित नहीं होता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक और अन्य मतभेद हो सकते हैं, लेकिन वे मतभेद बैंक की कार्यप्रणाली में परिलक्षित नहीं होते।एआईआईबी की स्थापना 2016 में की गई थी। इसका मुख्यालय बीजिंग में है। इसने मंगलवार से बृहस्पतिवार तक यहां अपने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 10वीं वार्षिक बैठक आयोजित की है। इस बैठक में इसके 100 सदस्य देशों के कई शीर्ष अधिकारी भाग ले रहे हैं।

# क्रेमलिन ने इजराइल-ईरान युद्ध विराम का स्वागत किया, टिकाऊ होने की जताई उम्मीद

» मास्को, भाषा।

रूस ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की घोषणा का स्वागत किया और आशा व्यक्त की है कि यह (युद्ध विराम) टिकाऊ होगा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय सह आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने मीडिया को बताया, अगर वाकई युद्ध विराम संभव है, तो इसका स्वागत ही किया जा सकता है। रूसी संघ इस संघर्ष की शुरुआत से ही यही मांग कर रहा है। इसलिए, इसका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह एक स्थाई युद्धविराम होगा। पेस्कोव ने कहा कि उन्होंने इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय के बयान देखे, (ईरानी विदेश मंत्री) अब्बास अराग्ची के बयान सुने, तथा राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप के कई बयान देखे। उन्होंने कहा, अभी तक हमने तेहरान की ओर से कोई अन्य बयान नहीं देखा या सुना है। युद्ध विराम की स्थिरता पर मास्को की राय के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए पेस्कोव ने कहा, घोषणा से पहले कतर की मध्यस्थता में संपर्क किए गए थे, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति और पश्चिम एशिया में उनके कई समकक्षों के बीच भी संपर्क हुए थे।

पेस्कोव ने कहा, हमें अंत तक सभी विवरण ज्ञात नहीं हैं, इसलिए हम यहां कुछ नहीं कह सकते, लेकिन शुरू से ही हमने समस्या के सैन्य समाधान को त्यागने तथा किसी भी राष्ट्र, इस मामले में ईरान, पर अकारण हमले से बचने का आह्वान किया है। तथा मौजूदा समस्याओं का समाधान और निपटारा राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने वार्षिक प्रिमाकोव रीडिंग्स में भाग लेने वाले 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए इसी प्रकार के एक बयान में कहा कि रूस ऐसे किसी भी समझौते पर पहुंचने का स्वागत करता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि युद्धविराम की घोषणा के बाद से दोनों पक्षों की ओर से उल्लंघन की खबरें आ रही हैं। लावरोव ने कहा, इसलिए हम खंडित जानकारी के आधार पर जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालेंगे। लेकिन हम शांति के पक्ष में हैं।

न्यूज ब्रीफ

## चीन में एससीओ बैठक में कहा सीमा पार आतंकवाद के अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाएः डोभाल

» बीजिंग, भाषा।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से सीमा पार आतंकवाद के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया जिसे व्यापक रूप से पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मांग के रूप में देखा जा रहा है। एससीओ के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के एक सम्मेलन में अपने संबोधन में डोभाल ने कहा कि भारत, लश्कर ए तैयबा (एलईटी), जैश ए मोहम्मद (जेईएम), अलकायदा, आईएसआईएस और इसके सहयोगी जैसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी समूहों से लगातार खतरे को लेकर बेहद चिंतित है। एनएसए ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली ने आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और आतंकवादियों को भारत में हमले करने से रोकने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए हमले के जवाब में भारत ने आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस हमले में लश्कर ए तैयबा के एक छद्म संगठन टीआरएफ ने 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी थी और कई अन्य को घायल कर दिया था। डोभाल ने कहा कि भारत की कार्रवाई नपी-तुली और गैर-उकसावे वाली थी। एनएसए ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड त्यागने तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद तथा उनके समर्थकों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डोभाल ने विशेष रूप से इन समूहों के आतंकवादी बुनियादी ढांचे और उनके आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करने का आह्वान किया।

# ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद अमेरिकी प्रवर्तन एजेंसियां हाई अलर्ट पर

» वाशिंगटन , भाषा।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने ईरानी परमाणु स्थलों पर हमले के बाद खतरे बढ़ने की चेतावनी दी है। वहीं फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) उप निदेशक ने कहा है कि जवाबी हिंसा रोकने के लिए ब्यूरो पूरी तरह से तैयार है। न्यूयॉर्क जैसे प्रमुख शहरों में स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कहा है कि वे हाई अलर्ट पर हैं। अमेरिकी हमले के बाद से देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए कोई विश्वसनीय खतरा सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि सोमवार को अमेरिका द्वारा इजराइल और ईरान के बीच घोषित संभावित संघर्षविराम का संभावित खतरों पर क्या असर होगा या ऐसी व्यवस्था कितनी स्थाई होगी हालांकि हाल के वर्षों में अमेरिकी धरती पर राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाने के लिए ईरान द्वारा उठाए गए कदमों को देखते हुए प्रतिशोध की आशंका गलत नहीं है। हाल के वर्षों में ईरान समर्थित हैकर्स ने अमेरिकी ठिकानों पर भी साइबर हमले किए हैं। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि पिछले दशक में ईरान की सबसे आम रणनीति, सामूहिक हिंसा की योजना बनाने के बजाय, सुपारी देकर हत्या की साजिश रचने की रही है।

उसका आरोप है कि इसके तहत सरकारी अधिकारी, सार्वजनिक अधिकारियों और असंतुष्टों की हत्या कराने के लिए रूसी और अन्य गैर-ईरानी लोगों का इस्तेमाल भी शामिल है। तेहरान ने इन साजिशों से बार-बार इनकार किया है, लेकिन एफबीआई और न्याय विभाग द्वारा लगातार इन्हें विफल किया गया है और उजागर किया गया है। सेंटर फार स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में पश्चिम एशिया विशेषज्ञ जॉन अल्टरमैन ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान उसी परिचित तरीके को अपनाने का इरादा रखता है या उसके पास बड़े पैमाने पर हमले को सफलतापूर्वक अंजाम देने की क्षमता या महत्वाकांक्षा है, लेकिन सरकार को अपने लोगों को यह दिखाने की आवश्यकता महसूस हो सकती है कि उसने आत्मसमर्पण नहीं किया है। उन्होंने कहा, सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करने की क्षमता, प्रयास करने की क्षमता से भिन्न है। यह दर्शाना कि आप ऐसा करने से डरते नहीं है, यह अपने आप में लक्ष्य को हासिल करने की बड़ी क्षमता है। अमेरिकी समय के अनुसार शनिवार शाम को हुए हमले के कुछ घंटे बाद, एफबीआई और डीएचएस अधिकारियों ने स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ एक बैठक की और उन्हें खतरे के परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी माइकल मास्टर्स ने दी, जिन्होंने सिक्योर कम्युनिटी नेटवर्क के संस्थापक निदेशक के रूप में इसमें भाग लिया था। यह यहूदी सुरक्षा संगठन है जो ईरानी खतरों पर नजर रखता है। सप्ताहांत में जारी डीएचएस बुलेटिन में चेतावनी दी गई कि कई विदेशी आतंकी संगठनों ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी संपत्तियों और कर्मियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान किया है। इसने इस बात की भी चेतावनी दी कि इस बात की आशंका बढ़ गई है कि ईरानी शासन का कोई समर्थक देश में हिंसा की कार्रवाई करने के लिए प्रेरित हो सकता है। मास्टर्स ने कहा, हम जिस मात्रा में ऑनलाइन सामग्री पर नजर रख रहे हैं, वह इस समय बहुत ज्यादा है। अमेरिकी न्याय विभाग ने नवंबर में खुलासा किया कि उसने 2024 के चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप को मारने की साजिश को विफल कर दिया, जो ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी को मारने वाले 2020 के हमले पर शासन के लंबे समय से जारी आक्रोश का प्रतिबिंब है। साजिश का खुलासा एक आरोपी ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किया था, जो ईरान सरकार का एजेंट था और जिसने डकैती के लिए अमेरिकी जेलों में सजा काटी थी। उस पर तेहरान द्वारा निगरानी और हत्या की साजिश रचने के लिए भर्ती किए गए आपराधिक सहयोगियों का एक नेटवर्क बनाए रखने का आरोप है।

## इजराइली सेना ने गाजा में सहायता का इंतजार कर रहे लोगों पर की गोलीबारी, 25 की मौत

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइली सेना और ड्रोनों ने मंगलवार तड़के मध्य गाजा में सहायता ट्रकों का इंतजार कर रहे सैकड़ों लोगों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 25 लोग मारे गए। फलस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों और अस्पतालों ने यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह हताहतों की खबरों की समीक्षा कर रही है। उसने कहा कि लोगों का एक समूह पूर्व-पश्चिम नेत्जारिम से सटे एक इलाके में सैनिकों की ओर बढ़ा, जिसके बाद गोलीबारी की गई। नुसेरात शरणार्थी शिविर में स्थित अवदा अस्पताल ने कहा कि फलस्तीनी लोग वादी गाजा के दक्षिण में सलाह अल-दीन रोड पर ट्रकों का इंतजार कर रहे थे। हमले में घायल हुए लोगों को इसी अस्पताल में लाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जब लोग पूर्व दिशा की ओर ट्रकों के करीब बढ़ रहे थे तो इजराइली सेना ने गोलियां चलाईं। एक प्रत्यक्षदर्शी अहमद हलावा ने कहा, यह नरसंहार था। उन्होंने कहा कि टैंक और ड्रोनों से लोगों पर गोलियां चलाई गईं।

## जापान ने अपने क्षेत्र में पहली बार किया मिसाइल परीक्षण

» तोक्यो, भाषा।

जापान ने अपने क्षेत्र में पहली बार मिसाइल परीक्षण किया है। देश की सेना ने मंगलवार को यह घोषणा की। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के शिजुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में टाइप-88 मिसाइल का परीक्षण किया गया, जो सतह से जहाज पर मार करने वाली कम दूरी की मिसाइल है। अधिकारियों ने बताया कि ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड के अभ्यास में लगभग 300 सैनिक शामिल हुए, जिन्होंने होक्काइडो के दक्षिणी तट से लगभग 40 किलोमीटर दूर जहाज पर गोलीबारी की थी, जिसमें कोई भी चालक नहीं था।

उन्होंने बताया कि अधिकारी अभी परीक्षण के परिणामों की जांच कर रहे हैं। जापान, चीन के प्रतिरोध के लिए जवाबी हमला करने की क्षमता हासिल करने के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को बढ़ा रहा है। जापान इस वर्ष के अंत में टॉमहॉक सहित लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों को तैनात करने की योजना बना रहा है। जापान ने इससे पहले विदेशों में मिसाइल परीक्षण किए हैं, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे उसके रक्षा साझेदारों के क्षेत्र शामिल हैं।

कनिष्क विमान बम धमाके की बरसी पर बोले कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

# यह आतंकवादी हमला हमारे देश के इतिहास में सबसे घातक है

» ओटावा, भाषा।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि 40 वर्ष पहले एअर इंडिया की उड़ान 182 कनिष्क में हुआ बम धमाका हिंसक उग्रवाद से लड़ने और कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने की हमारी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। कार्नी की यह टिप्पणी कनिष्क बम धमाके की 40वीं बरसी के अवसर पर आई है। इस घटना को लेकर सोमवार को पूरे कनाडा में समुदाय के सदस्यों, भारतीय मिशन तथा अन्य लोगों द्वारा, यहां डॉव झील स्थित एअर इंडिया स्मारक सहित अन्य स्थानों पर स्मृति कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कनाडा के मॉंट्रियल से ब्रिटेन के लंदन के रास्ते नई दिल्ली आ रही एयर इंडिया की कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को ब्रिटेन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया था। इस आतंकवादी हमले में विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे। कार्नी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 40 वर्ष पहले, कनाडा ने अपने इतिहास के सबसे घातक आतंकवादी हमले का सामना किया था। आज, हम एयर इंडिया बम धमाके के 268 कनाडाई पीड़ितों और आतंकवादी कृत्यों में मारे गए सभी लोगों को याद करते हैं। यह (घटना) हिंसक उग्रवाद से लडने और कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने की हमारी प्रतिबद्धता की याद दिलाती है। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह आतंकवादी हमला हमारे देश के इतिहास में सबसे घातक है - जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए। हम पीड़ितों को याद करते हैं और हमारी संवेदनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं जो दशकों से शोकाकुल हैं। कनाडा आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद के खतरों और प्रभावों का पता लगाने, रोकने और उनका जवाब देने के लिए अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ काम करना जारी रखेगा। इससे पहले, कार्नी ने एक बयान में कहा कि कनाडा की नई सरकार आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रूप से खड़ी है। उन्होंने 40 साल पहले एयर इंडिया की उड़ान 182 कनिष्क पर हुए आतंकी हमले को देश के इतिहास का सबसे घातक हमला करार दिया था। ओटावा में सोमवार को एयर इंडिया विमान धमाके की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर डॉव झील स्थित एयर इंडिया स्मारक पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीड़ितों के परिवारों, मित्रों और अन्य समुदाय के सदस्यों ने इस हमले में जान गंवाने वाले लोगों को याद किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में एयर इंडिया पीड़ित परिवार संघ के निदेशक सुशील गुप्ता शामिल थे। इस घटना के समय गुप्ता मात्र 12 साल के थे और उन्होंने इस विस्फोट में अपनी मां को खो दिया था। कनाडा स्थित भारतीय मिशनों ने भी ओटावा और टोरंटो में कार्यक्रम आयोजित किए। ओटावा में कार्यवाहक उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने उन पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक बयान में उच्चायोग ने इन पीड़ितों को कायरतापूर्ण आतंकवादी बम विस्फोट का शिकार बताया।टोरंटो में कार्यवाहक महावाणिज्यदूत कपिध्वज प्रताप सिंह ने इटोबिकोक के हम्बर बे पार्क में एयर इंडिया 182 स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर इस घटना में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी।

# नाटो के ऐतिहासिक सम्मेलन के लिए जुट रहे वैश्विक नेता, दिशा होगी तय

» द हेग (नीदरलैंड), भाषा।

दुनिया के सबसे बड़े सैन्य गठबंधन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के ऐतिहासिक सम्मेलन में हिस्सा लेने वैश्विक नेता नीदरलैंड की राजधानी द हेग में जुट रहे हैं। इस सम्मेलन में तय होगा कि रक्षा व्यय में वृद्धि को लेकर संगठन के 32 सदस्य सहमति की ओर बढ़ते हैं या विभिन्न मुद्दों पर दरार और गहरी होती है। सहयोगियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच प्रतिशत अपनी सुरक्षा पर खर्च करने के लक्ष्य का समर्थन करें, ताकि बाल्टी हमलों से बचाव के लिए गठबंधन की योजनाओं को पूरा किया जा सके।अमेरिका के शासनाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहली बार नाटो शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और उम्मीद की जा रही थी कि चर्चा का मुख्य मुद्दा यह होगा कि अमेरिका कैसे सुरक्षा गठबंधन में अन्य देशों से ऐतिहासिक सैन्य खर्च बढ़ाने पर सहमति प्राप्त करता है।

लेकिन अब चर्चा का विषय ईरान में तीन परमाणु संवर्धन सुविधाओं पर हमला करने का ट्रंप का निर्णय है, जिसके बारे में उनके प्रशासन का कहना है कि इससे तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं नष्ट हो गई हैं। साथ ही चर्चा के केंद्र में राष्ट्रपति ट्रंप की अचानक की गई घोषणा हो सकती है कि इजराइल और ईरान पूर्ण और समग्र युद्धविराम पर पहुंच गए हैं। पिछले नाटो शिखर सम्मेलनों में चर्चा के केंद्र में पूरी तरह से यूक्रेन का युद्ध रहा था, जो अब अपने चौथे वर्ष में है। नाटो महासचिव मार्क रूटे ने जोर देकर कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की सैन्य खर्च बढ़ाने के लिए समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से नेताओं की चर्चाओं से नदारद रहने के बावजूद कई बैठकों के लिए हेग पहुंचे। इस बार का सम्मेलन पिछले वर्ष वाशिंगटन में हुए शिखर सम्मेलन से बहुत अलग है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,